Website : www.mantrabharat.com

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 04
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
रविवार, 11 जनवरी, 2026

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

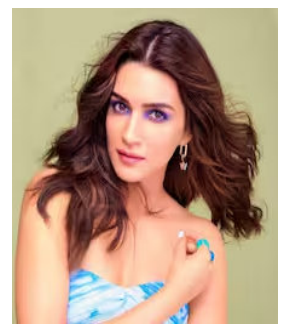

बीडीडी और स्वयंपुनर्विकास से,
'मराठी माणूस' को मिला घर,
कोस्टल, अटल सेतु और मेट्रो से
आसान और तेज़ हुआ सफर।

जो वचन देते हैं, उसे पूरा भी करते हैं,
'मुंबईकर' के लिए और भी बहुत कुछ कर रहे हैं...

गति है विकास की
भाजपा
हमारे विश्वास की

भारतीय जनता पार्टी, मुंबई

कमल का बटन दबाएँ,
भाजपा को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाएँ

प्रकाशक: भारतीय जनता पार्टी, मुंबई
सीडीओ बैरेक्स 1, एलआईसी कार्यालय के सामने, नरीमन पॉइंट, मुंबई - 400021

नवी मुंबई के ट्रांसजेंडर नागरिकों ने भी वोटिंग जागरूकता बढ़ाने में पहल की

दिव्यांश

मुंबई। वोट देना संविधान द्वारा हर नागरिक को दिया गया एक समान अधिकार है और हम वोट देने जा रहे हैं, आपको भी वोट देना चाहिए, यह संदेश नवी मुंबई के ट्रांसजेंडर नागरिकों ने बाजारों, चौकों और भीड़भाड़ वाली जगहों पर फैलाया। 15 जनवरी 2026 को होने वाले नवी मुंबई नगर निगम के आम चुनावों में 100 प्रतिशत वोटिंग सुनिश्चित करने के लिए, SWEEP पहल के तहत बड़े पैमाने पर जागरूकता फैलाई जा रही है, और समाज के सभी वर्ग इसमें उत्साह से भाग ले रहे हैं।

वोटिंग जागरूकता अभियान बहुत प्रभावी ढंग से चलाया जा रहा है, खासकर स्कूलों और कॉलेजों में। इसी तरह, महिला मंडलों, विभिन्न NGO, वरिष्ठ नागरिक संगठनों के माध्यम से इस साल पहली बार हो रही बहु-सदस्यीय वोटिंग प्रक्रिया में वोट कैसे दें, इसकी जानकारी दी जा रही है। अब, ट्रांसजेंडर नागरिकों ने भी पहल की है और छत्रपति शिवाजी महाराज चौक, अरेंजा कॉर्नर, सेक्टर 9 मार्केट वाशी में वोटिंग जागरूकता अभियान में सीधे भाग लिया है और वोटिंग के बारे में ब्रोशर बांटे हैं और वोट देने की अपील की है। चूंकि ट्रांसजेंडर नागरिकों ने भी वोटिंग जागरूकता अभियान में भाग लिया है, यह नवी मुंबई की समावेशी संस्कृति को दर्शाता है।

बृहन्मुंबई नगर निगम क्षेत्र में मतदान के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित

नगर प्रशासन द्वारा 'निगरानी टीम' का गठन

दिव्यांश

मुंबई। बृहन्मुंबई नगर निगम का आम चुनाव 2025-26 गुरुवार, 15 जनवरी, 2026 को होगा, और इसके लिए सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। महाराष्ट्र सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग और उद्योग, ऊर्जा, श्रम और खान विभाग ने इस संबंध में एक अध्यादेश जारी किया है। यह सार्वजनिक अवकाश बृहन्मुंबई नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में लागू होगा। इस फैसले को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए, बृहन्मुंबई नगर निगम प्रशासन ने मुंबई शहर, पूर्वी उपनगरों और पश्चिमी उपनगरों के लिए एक 'निगरानी टीम' का गठन किया है।

बृहन्मुंबई नगर निगम क्षेत्र में केंद्र और राज्य सरकार के कार्यालयों, अर्ध-सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक उपक्रमों, बैंकों आदि पर सार्वजनिक अवकाश लागू होगा। साथ ही, सामान्य प्रशासन विभाग के अध्यादेश में कहा गया है कि यह सार्वजनिक अवकाश नगर निगम चुनावी क्षेत्र के मतदाताओं पर लागू होगा, भले ही वे शहर के बाहर काम कर रहे हों, ताकि वे अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

इसके साथ ही, उद्योग और श्रम विभाग ने भी सार्वजनिक अवकाश के संबंध में अलग से आदेश जारी किए हैं। उद्योग, ऊर्जा और श्रम विभाग के तहत आने वाले सभी प्रतिष्ठानों, कारखानों, दुकानों, निजी कंपनियों के प्रतिष्ठानों, सभी दुकानों और अन्य प्रतिष्ठानों, आवासीय होटलों, भोजनालयों, अन्य घरों, सिनेमाघरों, व्यापार, औद्योगिक उपक्रमों या अन्य प्रतिष्ठानों, साथ ही सूचना और प्रौद्योगिकी कंपनियों, शॉपिंग सेंटर, मॉल, खुदरा विक्रेताओं पर सार्वजनिक अवकाश लागू होगा। असाधारण परिस्थितियों में, यदि खतरनाक या सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं या प्रतिष्ठानों में संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों और श्रमिकों को पूरे दिन की छुट्टी देना संभव नहीं है, जहां अनुपस्थिति से बड़े पैमाने पर नुकसान हो सकता है, तो मताधिकार का प्रयोग करने के लिए छुट्टी के बजाय दो से तीन घंटे की विशेष छूट दी जानी चाहिए, अध्यादेश में कहा गया है।

यदि बृहन्मुंबई नगर निगम के अधिकार क्षेत्र के तहत आने वाले प्रतिष्ठान मतदान के दिन छुट्टी या छूट नहीं देते हैं, तो दुकानें और प्रतिष्ठान विभाग के माध्यम से कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए मुंबई शहर, पूर्वी उपनगरों और पश्चिमी उपनगरों के लिए निगरानी टीमों की नियुक्ति की गई है। नागरिकों से अनुरोध है कि वे टेलीफोन नंबर - 9122-31533187 पर संपर्क करें। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में नागरिकों की ज़्यादा से ज़्यादा भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, वोटिंग के दिन पब्लिक हॉलिडे घोषित किया गया है। यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि वोटिंग के दिन काम की वजह से वोटर्स वोट देने से वंचित न रहें।

मंत्री आशीष शेलार का उद्धव ठाकरे पर तीखा हमला

भोली सूरत, दिल के खोटे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भ्रष्टाचार के समर्थक तो ये पहले से ही थे, ठेकेदारों के संरक्षक भी रहे हैं। लेकिन अब झूठे और विध्वंसक षड्यंत्र रचने वाले श्रीमान उद्धव ठाकरे कितने पातालयंत्री, कपटी और साजिशकर्ता हैं, यह साफ़ हो गया है। इसलिए इन्हें 'भोली सूरत, दिल के खोटे' कहना बिल्कुल उचित है—इन शब्दों में महाराष्ट्र के मंत्री आशीष शेलार ने उद्धव ठाकरे पर कड़ा प्रहार किया।

शेलार ने कहा कि संजय पांडे के संबंध में जांच एजेंसियों को महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। उस समय के विपक्षी नेता देवेंद्र फडणवीस को झूठे मामले में फंसाने के लिए तत्कालीन पुलिस महानिदेशक संजय पांडे पुलिस अधिकारियों पर दबाव बना रहे थे। उन्होंने सवाल उठाया कि पांडे पर दबाव किसका था—यही मूल प्रश्न है।

मंत्री आशीष शेलार ने आगे कहा कि उद्धव ठाकरे के मुख्यमंत्री रहते हुए सीबीआई को काम न करने दिया गया, ईडी को आर्थिक अपराधियों को पकड़ने से रोका गया और पुलिस से आम जनता पर झूठे मुकदमे दर्ज कराए गए। ऐसी स्थिति क्यों बनी—इसके जवाब उद्धव जी को देने होंगे।

शेलार ने चेतावनी दी कि यदि जवाब नहीं मिले, तो वे 'भोली सूरत, दिल के खोटेष्ठ!' शीर्षक से एक पुस्तक प्रकाशित करेंगे। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे के मुख्यमंत्री कार्यकाल में वसूली, हत्या और एक उद्योगपति के घर के सामने विस्फोटक रखने जैसी भयावह घटनाएं सामने आईं—जिसमें सचिन वाज़े प्रकरण प्रमुख है।

वडोदरा मंडल के अपूर्व तिवारी एवं चिराग मित्तल अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार - 2025 से सम्मानित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर, यशोभूमि में शुक्रवार, 09 जनवरी, 2026 को आयोजित 70वें रेल सप्ताह केंद्रीय समारोह में पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर अपूर्व तिवारी एवं उप मुख्य इंजीनियर चिराग मित्तल को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार - 2025 से सम्मानित किया गया।

पश्चिम रेलवे के जनसम्पर्क अधिकारी अनुभव सक्सेना ने बताया कि इस वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर सभी जोनल रेलवेज़ से लगभग 100 रेल कर्मचारियों को व्यक्तिगत पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इनमें से पश्चिम रेलवे के सात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनकी सराहनीय एवं अनुकरणीय सेवाओं के लिए अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार प्रदान किया गया, जो उनके असाधारण समर्पण, पेशेवर दक्षता तथा कर्तव्यनिष्ठा को दर्शाता है। पश्चिम रेलवे के उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर

अपूर्व तिवारी एवं उप मुख्य इंजीनियर चिराग मित्तल को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार - 2025 से सम्मानित किया गया।

वडोदरा मंडल के उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर (कार्य) अपूर्व तिवारी को इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणालियों के सफल कमीशनिंग तथा परंपरागत सिगनलिंग के स्थान पर आधुनिक मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर (श्ईंग) प्रणालियों के प्रतिस्थापन को कई खंडों में लक्ष्य तिथियों से पूर्व पूर्ण करने के लिए सम्मानित किया गया। उनके इस कार्य से परियोजना निष्पादन में नए मानदंड स्थापित हुए तथा रेल परिचालन की सुरक्षा एवं दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

उप मुख्य इंजीनियर (सर्वे एवं निर्माण) चिराग मित्तल को रिकॉर्ड समय-सीमा में प्रमुख सिविल इंजीनियरिंग कार्यों के पूर्ण होने में उनकी उत्कृष्ट भूमिका के लिए सम्मानित किया गया। इनमें दोहरीकरण खंडों का कमीशनिंग, महत्वपूर्ण पुलों का निर्माण, स्टेशन पुनर्विकास कार्य तथा साइडिंग परियोजनाएँ शामिल हैं, जिनसे अवसंरचना क्षमता, यात्री सुविधाओं एवं परिचालन दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

प्रतिष्ठित व्यक्तिगत पुरस्कारों की प्राप्ति में पश्चिम रेलवे का उत्कृष्ट प्रदर्शन उसके अधिकारियों एवं कर्मचारियों की निष्ठा, पेशेवर दक्षता तथा टीम भावना का सशक्त प्रमाण है। ये उपलब्धियाँ सुरक्षा, सेवा उत्कृष्टता, नवाचार एवं अवसंरचना विकास के प्रति पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल की अटूट प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करती हैं तथा भारतीय रेल को एक आधुनिक, दक्ष एवं यात्री-केंद्रित राष्ट्रीय परिवहन व्यवस्था के रूप में विकसित करने के व्यापक दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

मध्य रेल के सोलापुर मंडल द्वारा रेलवे कर्मचारियों के क्षमता निर्माण एवं कौशल विकास हेतु आईगॉट कर्मयोगी पर संगोष्ठी का आयोजन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने रेलवे कर्मचारियों के क्षमता निर्माण एवं कौशल विकास की दिशा में निरंतर किए जा रहे प्रयासों के अंतर्गत 8 जनवरी 2026 को आईगॉट कर्मयोगी मंच पर एक संगोष्ठी का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के लगभग 75 कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता की।

इस संगोष्ठी में आईगॉट कर्मयोगी मंच के उद्देश्यों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया तथा दैनिक शासकीय कार्यों में दक्षता एवं प्रभावशीलता बढ़ाने में इसकी उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को मंच पर उपलब्ध विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों—जिनमें रेलवे-विशिष्ट, तकनीकी, गैर-तकनीकी तथा अन्य पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं—से अवगत कराया गया। पाठ्यक्रमों तक सरल पहुँच सुनिश्चित करने हेतु पाठ्यक्रम खोज, चयन एवं नामांकन प्रक्रिया का सजीव प्रदर्शन भी किया

गया।

संगोष्ठी के दौरान इस बात पर विशेष बल दिया गया कि आईगॉट कर्मयोगी पहल के प्रति जागरूकता प्रत्येक कर्मचारी तक पहुँचे, जिसमें फील्ड में कार्यरत कर्मचारी भी सम्मिलित हों, ताकि सभी स्तरों पर समावेशी क्षमता निर्माण सुनिश्चित किया जा सके। प्रतिभागियों को यह भी जानकारी दी गई कि वर्तमान निर्देशों के अनुसार, निर्धारित आईगॉट पाठ्यक्रमों का पूर्ण किया जाना वार्षिक प्रदर्शन मूल्यांकन प्रतिवेदन (एपीएआर) से संबंधित है। मिशन कर्मयोगी, जो सिविल सेवाओं के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम है, का उद्देश्य वर्ष 2047 तक भारत की विकास प्राथमिकताओं एवं 'विकसित भारत' की परिकल्पना के अनुरूप एक सक्षम एवं भविष्य के लिए तैयार सिविल सेवा का निर्माण करना है। एकीकृत सरकारी ऑनलाइन प्रशिक्षण (आईगॉट) कर्मयोगी मंच, जिसे वर्ष 2022 में प्रारंभ किया गया था, इस मिशन की डिजिटल आधारशिला के रूप में कार्य करता है। यह मंच अनेक भाषाओं में 1,600 से अधिक पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है तथा एक गतिशील एवं संवादात्मक शिक्षण अनुभव प्रदान करता है। इसमें सहभागिता को प्रोत्साहित करने हेतु कर्मा अंक तथा डिजिटल प्रमाणपत्रों की व्यवस्था भी की गई है, जिससे उत्तरदायित्व, उपलब्धि एवं आजीवन अधिगम को बढ़ावा मिलता है।

यह संगोष्ठी कार्मिक विभाग द्वारा वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी एवं सहायक कार्मिक अधिकारी (कल्याण) की उपस्थिति में आयोजित की गई। अधिकारियों द्वारा कर्मचारियों को आईगॉट कर्मयोगी मंच से सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस संगोष्ठी का सफल आयोजन मिशन कर्मयोगी के प्रति सोलापुर मंडल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है तथा यह स्पष्ट करता है कि मंडल रेलवे कर्मचारियों को बदलते समय की चुनौतियों का सामना करने हेतु आवश्यक कौशल एवं दक्षताओं से सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

स्वास्थ्य विभाग में अधिकारियों के स्थानांतरण एवं पदोन्नति करते समय

एसएचआरसी मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार कार्रवाई की जाए– स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर

मुंबई। सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश आबिटकर ने निर्देश दिए हैं कि सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत अधिकारियों के स्थानांतरण एवं पदोन्नति 'राज्य स्वास्थ्य संसाधन केंद्र' (एसएचआरसी) की प्रणाली के अंतर्गत तैयार की गई कार्यप्रदर्शन-आधारित मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार पारदर्शी रूप से की जाए।

केंद्र सरकार का 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, नई दिल्ली' राष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ्य विभाग को तकनीकी सहायता प्रदान करता है। इसी प्रकार महाराष्ट्र में 'राज्य स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, पुणे' कार्यरत है। इस संस्था के माध्यम से राज्य स्वास्थ्य विभाग को गुणवत्ता सुधार, स्वास्थ्य अनुसंधान तथा तकनीकी सहायता प्रदान की जाती है। स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से एसएचआरसी राज्य के सभी जिलों एवं नगर निकाय क्षेत्रों में स्वास्थ्य संस्थानों तथा वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यप्रदर्शन का मूल्यांकन करता है। साथ ही, उनके कार्य के आधार पर मासिक क्रमांकन भी किया जाता है। इस क्रमांकन प्रणाली में प्रशासनिक, तकनीकी एवं वित्तीय पहलुओं को शामिल किया जाता है।

अब से सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग में अधिकारियों के स्थानांतरण एवं पदोन्नति करते समय इस कार्यप्रदर्शन-आधारित मूल्यांकन (क्रमांकन) प्रणाली की रिपोर्ट के अनुसार कार्रवाई करने के निर्देश स्वास्थ्य मंत्री द्वारा दिए गए हैं। इस निर्णय से स्वास्थ्य सेवाओं का कार्य अधिक पारदर्शी होगा।

राज्य में स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु केंद्र एवं राज्य सरकार के माध्यम से निधि उपलब्ध कराई जाती है। इन निधियों के साथ-साथ नागरिकों को अधिक प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए 'कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व' (सीएसआर) के माध्यम से भी निधि उपलब्ध कराना आवश्यक है। इसके लिए विभाग द्वारा सीएसआर प्रदान करने वाली संस्थाओं को प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला लेखा प्रबंधक, एनएचएम परामर्शदाता एवं एनएचएम कार्यक्रम अधिकारी अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली स्वास्थ्य संस्थाओं का नियमित दौरा करें तथा इन दौरों की वस्तुनिष्ठ रिपोर्ट प्रस्तुत करें। ये निर्देश भी स्वास्थ्य मंत्री आबिटकर द्वारा दिए गए।

इस अवसर पर भर्ती प्रक्रिया, मानव संसाधन के सर्वोत्तम उपयोग तथा अधिकारियों द्वारा भ्रमण की गई संस्थाओं के संबंध में प्रस्तुतियां दी गईं।

इस बैठक में स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. निपुण विनायक, सचिव ई. रविंद्रन, स्वास्थ्य विभाग की आयुक्त डॉ. कादंबरी बलकवड़े, स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. नितिन आंबेडकर, निदेशक डॉ. विजय कांडेवाड, संयुक्त निदेशक राजेंद्र भालेराव, संयुक्त निदेशक डॉ. सुनीता गोलहाइट, संयुक्त निदेशक डॉ. सरिता हजारे, पूर्व महानिदेशक सलाहकार डॉ. सुभाष सालुंखे, डॉ. मोहन जाधव सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भुसावल मंडल के हिमांशु रामदेव को 70वें रेलवे सप्ताह में अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के कर-कमलों द्वारा 70वें रेलवे सप्ताह के अवसर पर आयोजित अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार2025 समारोह में भुसावल मंडल के श्री हिमांशु रामदेव, वरिष्ठ मंडलीय विद्युत अभियंता (ऑपरेशन्स) को सम्मानित किया गया।

यह पुरस्कार समारोह दिनांक 9 जनवरी 2026 को यशोभूमि, इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर, द्वारका, नई दिल्ली में बड़े उत्साह के साथ आयोजित हुआ। समारोह के दौरान माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हिमांशु रामदेव को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2025 प्रदान किया।

हिमांशु रामदेव, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (परिचालन), भुसावल मंडल को क्रू के लिए यार्ड सिग्नल लेआउट ऐप विकसित करने तथा क्रू के कार्य घंटों की निगरानी हेतु 'ध्इए' ऐप विकसित करने के लिए सम्मानित किया जाएगा। इन नवाचारों से परिचालन दक्षता में सुधार हुआ तथा क्रू से संबंधित विफलताओं एवं ट्रेनों की देरी में 59इ की कमी आई।

हिमांशु रामदेव के इन प्रयासों से न केवल भुसावल मंडल बल्कि संपूर्ण रेलवे व्यवस्था में प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत हुआ है। उनके इस महत्वपूर्ण योगदान के लिए सभी स्तरों से उन्हें हार्दिक बधाई दी जा रही है।

पश्चिम रेलवे

संकेत एवं दूरसंचार कार्य

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता (दक्षिण), द्वितीय तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400 008 द्वारा निविदा संख्याः W_931_2024_466_2025_SG_WA_R दिनांक 08.01.2026 आमंत्रित की जाती है। **कार्य एवं स्थान :** पश्चिम रेलवे, मुंबई मंडल में निम्नलिखित के संबंध में संकेत कार्यः (i) चर्चगेट-विरार : TTR (FS+TWS+WCMSC) - 80 सेट, TTR (CMSC) – 71 सेट, TTR (CS) – 49 सेट एवं SEJs – 62 संख्या। (ii) चर्चगेट-विरार : TRR (P) – 16.501 टीकेएम एवं TSR (P) – 24.645 टीकेएम। **कार्य की अनुमानित लागत :** 58,34,203.30 **अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (ईएमडी) :** 1,16,700/- **ई-निविदा दस्तावेज प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय :** 02.02.2026 को 15:00 बजे तक। **ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** 02.02.2026 को 15:30 बजे। निविदा को वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। 0994

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

मध्य रेल

सोलापुर मण्डल

इंजीनियरिंग कार्य

मध्य रेल कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) सोलापुर भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से दिनांक को बजे तक निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–निविदा आमंत्रित करते है : **01 कार्य का नाम : Development work at Osmanabad Good shed. 02 अनुमानित लागत : ₹ 14,04,56,375.21, 03 बयाना रक्कम : ₹8,52,300.00, 04 समापन की अवधी :12**(Twelve) Months, **05 अनुरक्षण की अवधी : 24**(Twenty Four) Months, **06. ई निविदा फार्म की किमत :** Nil, **07 वेबसाइट ई निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तरिख और समयः** 06/02/2026 up to 15:00 hrs. **08 वेबसाइट ई निविदा खोलने की तरिख और समयः** 06/02/2026 after 15:30 hrs. **09 वेबसाइट विवरण : www.ireps.gov.in,** नोट : संभावित निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे निविदा बंद होने की तिथि से पहले इस वेबसाइट पर बार–बार जाएं ताकि इस निविदा वेबसाइट के लिए जारी किए किसी भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र को नोट कर सकें : **www.ieps.gov.in** ANJ-11

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

पश्चिम रेलवे

विविध कार्य

पश्चिम रेलवे, इंदौर (म.प्र.) के उप मुख्य अभियंता (निर्माण)-I द्वारा निविदा संख्याः IND/UJN/SIMHASTHA/01 आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम :** स्टेशन/यार्डों में मुख्य लाइन, लूप/साइडिंग लाइनों तथा प्वाइंट एवं क्रॉसिंग आदि के लिए ब्रॉड गेज ट्रैक का बिछाना एवं जोड़ना, स्थायी मार्ग सामग्री का परिवहन, मौजूदा ट्रैक का विघटन, रेलों की वेल्डिंग, मशीन से कुचले गए पत्थर की गिट्टी की आपूर्ति एवं फैलाव सहित पूर्ण रेल नवीनीकरण, गठन में तटबंध/कटिंग में अर्थकार्य एवं ब्लैंकेटिंग तथा उज्जैन यार्ड में निम्नलिखित कार्यों के संबंध में अन्य सहायक एवं विविध कार्यः **(1) सिंहस्थ** - 2028 के संबंध में एनसी यार्ड में स्टेबलिंग लाइन की व्यवस्था। **(2) सिंहस्थ** - 2028 के संबंध में लोको यार्ड में स्टेबलिंग लाइन की व्यवस्था एवं पीक्यूआरएस साइडिंग का पुनर्स्थापन। **अनुमानित लागत :** 14,80,92,147.68 **अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (ईएमडी) :** 8,90,500/- **निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय :** 06.02.2026 को 15:00 बजे तक। **निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** 06.02.2026 को 15:30 बजे। निविदा से संबंधित पूर्ण विवरण, पात्रता मानदंड सहित, ई-निविदा पोर्टल www.ireps.gov.in पर तथा उप मुख्य अभियंता (निर्माण)-I, पश्चिम रेलवे, इंदौर के कार्यालय (प्लेटफार्म संख्या 1 के सामने) के सूचना पट पर उपलब्ध है। 0988

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 04
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
रविवार, 11 जनवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

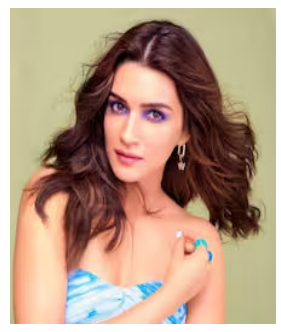

5 पद्मश्री पुरस्कार से अलंकृत प्रो. राम हर्ष सिंह...

4 विश्वविद्यालय, सत्ता और साहित्य की आहत ...

7 गुजरात जाएंट्स का जीत से आगाज...

संक्षिप्त न्यूज

Karnataka-Kerala सीमा पर नया भाषा विवाद, मंत्रीजी परमेश्वर बोले- CM करें समाधान

बैंगलुरू। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने शनिवार को कहा कि भारत में राज्यों का गठन भाषा के आधार पर हुआ है और उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में भाषा संबंधी चिंताओं को दूर करने की आवश्यकता पर बल दिया। बेंगलुरु में मीडिया से बात करते हुए परमेश्वर ने केरल सरकार द्वारा जारी हालिया परिपत्र का उल्लेख किया, जिसमें स्थानीय भाषा मलयालम को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक-केरल सीमा पर स्थित कासरगोड जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग अभी भी कन्नड़ बोलते हैं। उन्होंने कहा, 'राज्यों का गठन भाषा के आधार पर हुआ है। केरल सरकार ने स्थानीय भाषा (मलयालम) को प्राथमिकता देने का आदेश जारी किया है। कासरगोड (कर्नाटक-केरल सीमा) जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग अभी भी कन्नड़ बोलते हैं। दोनों मुख्यमंत्रियों को इस समस्या का समाधान करना चाहिए। उनकी ये टिप्पणी कर्नाटक और केरल के सीमावर्ती जिलों में भाषा के प्रयोग और प्रशासनिक संचार को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आई है। इससे पहले, केरल भाजपा प्रमुख राजीव चंद्रशेखर ने मलयालम भाषा विधेयक 2025 को लेकर कांग्रेस और सीपीआई (एम) पर तीखा हमला किया। विधेयक पर प्रतिक्रिया देते हुए चंद्रशेखर ने दोनों पार्टियों पर चुनावी लाभ के लिए बार-बार लोगों को बांटने का आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर भाषा की बात करने को 'विडंबनापूर्ण' बताया, जबकि उनका नेतृत्व एक 'इतालवी महिला' कर रही हैं और उन्होंने वायनाड से एक 'गैर-मलयालम भाषी सांसद' को मैदान में उतारा है।

अमित शाह ने दिया 'आत्मनिर्भर भारत' का फॉर्मुला

'हर समुदाय आत्मनिर्भर होगा तो देश भी होगा'

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि बड़े पैमाने पर आयोजित सामुदायिक सभाएं देश को विभाजित करने के बजाय उसे मजबूत बनाती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आत्मनिर्भर समाज ही आत्मनिर्भर भारत की नींव रखता है। शाह जोधपुर में आयोजित माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन एंड एक्सपो को संबोधित कर रहे थे, जहां उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारत का सामाजिक ताना-बाना और मजबूत सामुदायिक संरचनाएं राष्ट्रीय एकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक समुदाय अपने सबसे कमजोर सदस्यों के कल्याण और सुरक्षा की जिम्मेदारी ले, तो इससे पूरे देश का भला होगा।

अमित शाह ने कहा कि जब भी सामाजिक समारोह या सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं, तो कुछ तथाकथित प्रगतिशील लोग उनमें शामिल होने वालों की आलोचना करते हैं। मैंने व्यक्तिगत रूप से ऐसी कई आलोचनाओं का सामना किया है। मेरा मानना ??है कि हमारे समुदायों की संरचना और

इस तरह के बड़े सामुदायिक आयोजन वास्तव में भारत को मजबूत बनाते हैं; वे देश को कभी विभाजित नहीं करते। यदि प्रत्येक समुदाय अपने सबसे गरीब सदस्यों की सुरक्षा और कल्याण की जिम्मेदारी लेता है, तो पूरे देश की देखभाल स्वतः ही हो जाएगी और यदि प्रत्येक समुदाय आत्मनिर्भर हो जाता है, तो पूरा भारत आत्मनिर्भर हो जाएगा। महेश्वरी समुदाय की प्रशंसा करते हुए शाह ने कहा कि इस समुदाय ने ऐसे व्यक्तियों को जन्म दिया है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्र के लिए योगदान दिया है, जिससे भारत एक रत्नजड़ित व्यक्ति की तरह चमक रहा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रमुखता के बावजूद, यह समुदाय अपनी जड़ों से गहराई से जुड़ा हुआ है। अमित शाह ने कहा कि महेश्वरी समुदाय से निकले रत्नों ने इस देश को हर क्षेत्र में सुशोभित किया है, जिससे यह रत्नजड़ित व्यक्ति की तरह चमक रहा है। देश में सर्वोच्च पदों पर पहुंचने के बाद भी, यदि कोई समुदाय अपनी जड़ों से जुड़ा रहा है, तो वह महेश्वरी समुदाय है।

गृह मंत्री ने आगे कहा कि स्वतंत्रता के बाद, जब भारत ने औद्योगिक विकास और आत्मनिर्भरता की ओर अपना सफर शुरू किया, तब माहेश्वरी समुदाय ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि विनिर्माण और उत्पादन से लेकर धन सृजन और प्रौद्योगिकी तक, इस समुदाय ने निरंतर अपनी प्रगतिशील सोच का प्रदर्शन किया है। शाह ने कहा, 'जब देश को स्वतंत्रता मिली और आजादी के बाद आगे बढ़ने, आत्मनिर्भर बनने और उद्योगों के क्षेत्र में पूरी दुनिया को पीछे छोड़ते हुए प्रगति करने का समय आया, तब भी माहेश्वरी समुदाय ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। चाहे उत्पादन हो, विनिर्माण केंद्र हों, धन सृजन हो या प्रौद्योगिकी, माहेश्वरी समुदाय ने इन सभी क्षेत्रों में हमेशा एक प्रगतिशील समाज के रूप में अपनी पहचान साबित की है।'

एकनाथ शिंदे ने साधा उद्धव-राज पर निशाना, कहा- ब्रांड से प्रभावित नहीं होते लोग

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि अब मतदाता तथाकथित 'ब्रांड' नेताओं से प्रभावित नहीं होते, बल्कि उन नेताओं का साथ देते हैं जो विकास करते हैं।

ठाणे जिले में होने वाले नगर निकाय चुनावों के लिए शुक्रवार को एक रैली को संबोधित करते हुए शिवसेना नेता शिंदे ने कहा कि महायुति सरकार सक्रिय और प्रभावी ढंग से काम कर रही है, न कि ऐसी सरकार की तरह जो बार-बार कामकाज स्थगित करती रहती हो।

उन्होंने कहा, "आने वाले कल्याण-डोंबिवली नगर निगम चुनाव में मतदाता राजनीतिक ब्रांडिंग से आगे बढ़कर काम और विकास को समर्थन देंगे।" शिंदे ने बताया कि कल्याण-डोंबिवली नगर निगम चुनाव से पहले ही 21 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं, जिससे साफ है कि विपक्ष महायुति के उम्मीदवारों को चुनौती देने की स्थिति में नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि उम्मीदवारों को प्रभावित करने की कोशिशें जरूर हुईं, लेकिन जनता का फैसला साफ

तौर पर विकास के पक्ष में है। कल्याण-डोंबिवली को महायुति का गढ़ बताते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा कि इस इलाके के मतदाताओं ने सांसद श्रीकांत शिंदे को तीन बार चुनकर गठबंधन पर बार-बार भरोसा जताया है। उन्होंने कहा, 'केंद्र और राज्य में स्थिर सरकार होने से विकास कार्यों को पूरा करने में कोई रुकावट नहीं है।

लक्षद्वीप में भारतीय नौसेना 12 से 16 जनवरी तक स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेगी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना अपने स्वास्थ्य सेवा विस्तार और नागरिक-सैन्य सहयोग कार्यक्रमों के तहत 12 से 16 जनवरी तक केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में एक स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेगी। यह जानकारी शनिवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई। पांच-दिवसीय इस शिविर का उद्घाटन नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी करेंगे।

शिविर का उद्देश्य केंद्रशासित प्रदेश के वासियों को विशेषज्ञ परामर्श, उपचार सेवाएं और मोतियाबिंद सर्जरी सहित विभिन्न तरह की शल्य चिकित्सा सुविधाएं प्रदान कराना है। यह पहल नौसेना दिवस के तहत लक्षद्वीप में मौजूदा स्वास्थ्य अवसंरचना को सहयोग और सुदृढ़ करने के लिए नौसेना के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। शिविर के उद्घाटन समारोह में नौसेना की दक्षिणी कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल समीर सक्सेना, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं की महानिदेशक सर्जन वाइस एडमिरल आरती सरीन और नौसेना चिकित्सा सेवाओं की महानिदेशक सर्जन वाइस एडमिरल कविता सहाय सहित नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे।

असम की तीन सीटों पर चुनाव, सीएम हिमंता बोले- दो पर जीत तय

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य में अप्रैल में खाली होने वाली तीन राज्यसभा सीटों पर भाजपा और उसके सहयोगी उम्मीदवार उतारेंगे। उन्होंने दावा किया कि इन तीन सीटों में से दो सीटों की जीत पक्की है, जबकि तीसरी सीट पर भी जीत उनके पाले में आने की संभावना है।

मुख्यमंत्री सरमा ने पत्रकार वार्ता में कहा 'भाजपा, एजीपी और हमारा संयुक्त मोर्चा इन सभी तीन सीटों पर उम्मीदवार उतारेगा। हम दो सीटों में निश्चित रूप से जीतेंगे, तीसरी पर जीत या हार हो सकती है।'

अजीत भूयान पर लगाया सांसद कोष

के दुरुपयोग का आरोप

सरमा ने यह भी कहा कि पिछले चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगियों ने अजीत भूयान के खिलाफ उम्मीदवार नहीं उतारा, क्योंकि वे उसे तटस्थ और अच्छे कार्य के लिए उपयुक्त मानते थे। हालांकि, उन्होंने भूयान पर राज्यसभा सांसद कोष के दुरुपयोग के आरोप लगाते हुए कहा लेकिन उन्होंने अपने सांसद कोष के साथ क्या किया, वह हम सब जानते हैं।

विधानसभा में एनडीए के पास 83 सदस्य

बता दें कि अप्रैल में खाली होने वाली सीटों पर वर्तमान में दो भाजपा सांसद, भुवनेश्वर कालिता और रमेश्वर तेली और एक स्वतंत्र सांसद अजीत भूयान हैं। वर्तमान विधानसभा में भाजपा के पास 64 सदस्य, जबकि उसके सहयोगी एजीपी, यूपीपीएल और बीपीएफ के पास क्रमशः 9, 7 और 3 विधायक हैं। विपक्षी दलों में कांग्रेस के 26, एआईयूडीएफ के 15, सीपीआई(एम) का 1 विधायक और एक स्वतंत्र विधायक शामिल हैं।

व्यक्तिगत हमलों पर भड़कीं रेखा गुप्ता, दिल्ली विधानसभा में बोलीं- आप घटिया राजनीति बंद करे

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता विधानसभा में भावुक हो गईं और उन्होंने कहा कि विपक्षी आम आदमी पार्टी द्वारा उनके भाषणों में हुई मामूली गलतियों को लेकर चलाए जा रहे लगातार उपहास और व्यक्तिगत हमलों से उन्हें गहरा दुख पहुंचा है। सदन को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि उनके विरोधियों ने राष्ट्रीय राजधानी को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के बजाय अनजाने में हुई गलतियों का मजाक उड़ाना चुना है।

रेखा गुप्ता ने उन लोगों की आलोचना की जो उनका अपमान करते हैं, और दावा किया कि उन्हें 24x7 काम करने वाली महिला मुख्यमंत्री पसंद नहीं हैं। उन्होंने 'AQI' (वायु गुणवत्ता सूचकांक) की गलत वर्तनी के लिए उन पर हुए हमले का हवाला दिया। गुप्ता ने आगे आरोप लगाया कि शब्दों का गलत उच्चारण करने या गलती से कुछ कह देने पर उन्हें 'बेबुनियाद आरोपों' और 'घटिया टिप्पणियों' का सामना करना पड़ता है।

रेखा गुप्ता ने कहा कि मैं, मेरे मंत्री

और मेरे विधायक दिल्ली की सड़कों पर हमेशा काम करते नजर आएंगे। आप हमें लगातार जनता की सेवा में लगे हुए देखेंगे, क्योंकि हमारी सरकार जवाबदेही में विश्वास रखती है। हालांकि, कुछ लोगों के आचरण से मैं बेहद चिंतित हूं। गुप्ता ने आरोप लगाया कि विपक्ष बार-बार व्यक्तिगत हमलों का सहारा ले रहा है। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी वे ऐसी टिप्पणियां करते हैं जिनसे हमारी गरिमा को ठेस पहुंचती है। कभी-कभी वे घटिया टिप्पणियों, निराधार आरोपों और छोटी-छोटी बातों पर नुक्ताचीनी करते हैं। वे जुबान फिसलने जैसी मामूली गलतियों पर भी उंगली उठाते हैं - जैसे कि मैंने AIQ की जगह AQI लिख दिया - और आज भी वे ऐसा ही करेंगे। वे इस पूरे भाषण को सिर्फ इसलिए सुनेंगे ताकि बाद में इसका मजाक उड़ा सकें।'

गुप्ता दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र में उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना द्वारा दिए गए अभिभाषण पर 'धन्यवाद प्रस्ताव' पर हो रही चर्चा में भाग ले रही थीं। अपने भाषण का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए गुप्ता ने कहा कि वह 'दिन-रात दिल्ली के लिए अथक परिश्रम कर रही हैं।' वीडियो के साथ उन्होंने आगे कहा, 'और यही बात उन्हें परेशान करती है। वे इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते। वे इसे सहन नहीं कर सकते।'

Mamata Banerjee का चुनाव आयोग पर सीधा प्रहार, बोलीं- CEC Gyanesh Kumar तानाशाहों जैसा व्यवहार कर रहे

पश्चिमी मुख्यमंत्री ने शनिवार को मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) पर तीखा हमला करते हुए कहा कि इस अभियान की आड़ में राज्य में जो कुछ हो रहा है, वह आम नागरिकों की गरिमा, आजीविका और संवैधानिक अधिकारों पर एक खतरनाक हमला है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया डराने-धमकाने और बहिष्कार करने का एक साधन बन गई है।

मुख्यमंत्री ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को लिखे पत्र में अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन को एसआईआर नोटिस मिलने पर चिंता व्यक्त की और कहा कि इससे संस्थागत अहंकार पूरी तरह उजागर हो गया है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर सेन जैसी दिग्गज हस्तियों को बख्शा नहीं जाता है तो गरीब, प्रवासी मजदूर, दिहाड़ी मजदूर और महिलाएं जैसी आम जनता किन समस्याओं से जूझ रही होंगी। उन्होंने कहा कि सुनवाईयां यंत्रवत, बिना सहानुभूति, बिना सोचे-समझे और बिना मानवीय वास्तविकता के प्रति संवेदनशीलता के संचालित की जा रही हैं। इसके परिणाम विनाशकारी रहे हैं, जिनमें 77 मौतें, आत्महत्या के प्रयास, अस्पताल में भर्ती होना शामिल हैं, ये सभी एक अनियोजित, जबरदस्ती की प्रक्रिया से उत्पन्न भय, घबराहट और चिंता से जुड़े हैं।

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) पर हमला करते हुए बनर्जी ने कहा कि सर्वोच्च चुनाव निकाय अपने संवैधानिक दायित्व से खतरनाक रूप से भटक रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि लोकतंत्र भय से कायम नहीं रहता, और साथ ही यह भी जोड़ा कि मतदाता सूचियों को जबरदस्ती से शुद्ध नहीं किया जा सकता।

उन्होंने लोकतंत्र की 'पवित्रता' बहाल होने की उम्मीद जताते हुए कहा संवैधानिक अधिकारियों को जवाबदेही से परे तानाशाहों जैसा व्यवहार करके सम्मान नहीं मिलता। मैंने इन चिंताओं को औपचारिक रूप से मुख्य चुनाव आयोग के समक्ष रखा है। अभी भी सुधार करने का समय है। मुझे उम्मीद है कि समझदारी से काम लिया जाएगा। मुझे उम्मीद है कि नागरिकों की पीड़ा समाप्त होगी।

जगन्नाथ मंदिर के गेस्ट हाउस में पार्किंग फीस बढ़ने का विरोध; प्रशासन बोला- नहीं कम करेंगे शुल्क

पुरी। ओडिशा के पुरी में श्री जगन्नाथ मंदीर प्रशासन (एसजेटीए) अपने फैसले पर कायम है। गेस्ट हाउसों में चारपहिया वाहनों के लिए 500 रुपये पार्किंग शुल्क लिया जाएगा। इस फैसले को वापस लेने से प्रशासन ने इनकार किया है। एसजेटीए का कहना है कि विरोध के बावजूद कोई बदलाव नहीं होगा। प्रशासन के मुताबिक यह कदम व्यवस्था सुधारने के लिए उठाया गया है।

पर्यटकों के आगमन पर असर पड़ सकता है- बीजेडी

एसजेटीए के मुख्य प्रशासक अरबिंदा पाधी ने कहा कि रोजाना औसतन 10 वाहन ही गेस्ट हाउसों में पार्क होते हैं और चारपहिया से आने वाले आगंतुक 500 रुपये का शुल्क वहन कर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन पर्यटकों के पास ठहरने का आरक्षण है, वे चाहें तो अन्य पार्किंग स्थलों का भी उपयोग कर सकते हैं। यह बयान विपक्षी बीजू जनता दल की उस मांग के बाद आया है, जिसमें उन्होंने दावा किया कि इससे तीर्थ शहर में पर्यटकों के आगमन पर असर पड़ सकता है।

आवास शुल्क बढ़ाने पर कोई शुल्क नहीं

पाधी ने बताया कि जगन्नाथ बल्लव पार्किंग में शुल्क 250 है और कोई भी वहां वाहन खड़ा कर सकता है। हमें इस पर कोई आपत्ति नहीं है। साथ ही, उन्होंने जोड़ा कि भक्ता निवासों के कमरे होटलों की तुलना में सस्ते हैं, इसलिए आवास शुल्क बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है क्योंकि इससे श्रद्धालुओं पर असर पड़ेगा।

एसजीटीए की अधिसूचना के अनुसार, उसके चार भक्ता निवास नीलाद्रो भक्ता निवास, नीलाचल भक्ता व यात्री निवास, गुंडिचा भक्ता निवास और पुरुषोत्तम भक्ता निवास में 24 घंटे के लिए चारपहिया पार्किंग पर 18% जीएसटी सहित 500 शुल्क लिया जाएगा। ये सभी सुविधाएं पुरी के ग्रैंड रोड और जगन्नाथ के पास प्रमुख स्थानों पर स्थित हैं।

'चुनाव आते ही ईडी को याद आते हैं दस्तावेज', कपिल सिब्बल बोले- विपक्ष को डराने का औजार बनी एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्रवाई को लेकर राज्य से लेकर देशभर की राजनीति में गर्माहट तेज है। इसी बीच इस कार्रवाई को लेकर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आते ही जांच एजेंसियों को अचानक दस्तावेजों की याद आ जाती है और इसका मकसद सिर्फ विपक्षी नेताओं को परेशान करना होता है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान सिब्बल ने पश्चिम बंगाल में ईडी की कार्रवाई का मामला उठाया।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में जहां भाजपा चुनाव नहीं जीत सकती, वहां ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को परेशान करने के लिए ईडी का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि कोई भी जांच एजेंसी किसी दफ्तर में जाकर सभी फाइलें कैसे ले जा सकती है। अगर कोयला घोटाले की जांच करनी है तो उससे जुड़ी फाइलें लें, लेकिन हर फाइल ले जाना किस अधिकार में है? किसी भी जांच एजेंसी को ऐसा करने का हक नहीं है।

कपिल सिब्बल ने ईडी को एक सर्वव्यापी एजेंसी की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य कानून लागू करना नहीं, बल्कि विपक्षी नेताओं को डराना और परेशान करना है। उन्होंने केंद्र और राज्य के बीच बढ़ते टकराव का जिक्र करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में राज्य और केंद्र के बीच जानबूझकर विवाद पैदा किया जा रहा है।

चुनाव के समय ही ऐसी कार्रवाई क्यों होती है- सिब्बल

सिब्बल ने आगे कहा कि चुनाव के समय ही ऐसी कार्रवाइयां क्यों तेज हो जाती हैं। कोयला घोटाला कोई नया मामला नहीं है, यह कई वर्षों से चल रहा है। फिर अब ही अचानक कार्रवाई क्यों? राज्यसभा सांसद ने यूपीए सरकार के कार्यकाल (2004 से 2014) को याद करते हुए कहा कि उस समय इस तरह की खबरें अखबारों में नहीं आती थीं। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार ने ईडी को इतनी खुली छूट नहीं दी थी। उस दौर में किसी भी राजनीतिक पार्टी या नेता के खिलाफ झूठी जानकारी के आधार पर कार्रवाई नहीं की गई।

ईडी पर लगाए गंभीर आरोप

सिब्बल ने आरोप लगाते हुए कहा कि आज ईडी एक ऐसी एजेंसी बन गई है जो देश में कहीं भी, कभी भी पहुंच जाती है। उन्होंने कहा कि जब भी कहीं कोई एफआईआर दर्ज होती है, ईडी वहां पहुंच जाती है और खासतौर पर चुनाव के समय उसकी सक्रियता बढ़ जाती है। इससे देश की संघीय व्यवस्था (फेडरल स्ट्रक्चर) को नुकसान पहुंच रहा है।

इसरो प्रमुख ने तिरुपति में की प्रार्थना, 12 जनवरी को है ईओएस-एन1 उपग्रह का प्रक्षेपण

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अध्यक्ष वी. नारायणन ने शनिवार को तिरुपति मंदिर का दौरा किया। यहां वह ईओएस-एन1 'पृथ्वी अवलोकन उपग्रह' और 14 अन्य पेलोड को अंतरिक्ष में स्थापित करने के लिए पीएसएलवी-सी62 मिशन से पहले प्रार्थना की। इसके साथ ही इसरो के अधिकारी नारायणन के साथ थे। उन्होंने मंदिर में प्रार्थना करते समय प्रक्षेपण यान की एक लघु प्रतिकृति भी साथ रखी थी।

12 जनवरी को लॉन्च होगा यह मिशन

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बताया कि यह मिशन 12 जनवरी को लॉन्च होने वाला है। उन्होंने कहा, '12 जनवरी को हम ईओएस-एन1 उपग्रह को ले जाने वाले पीएसएलवी-सी62 को लॉन्च करने जा रहे हैं।' उन्होंने आगे बताया कि मिशन के लिए लक्षित कक्षा ध्रुवीय सूर्य-तुल्यकालिक कक्षा है। इस मिशन के लिए 25 घंटे की उलटी गिनती 11 जनवरी से शुरू होने वाली है, जो पीएसएलवी की 64वीं उड़ान होगी।

अबतक 63 उड़ानें पूरे किए

पीएसएलवी अब तक 63 उड़ानें पूरी कर चुका है, जिनमें महत्वाकांक्षी चंद्रयान-1, मंगल ऑर्बिटर मिशन (एमओएम) और आदित्य-एल1 मिशन शामिल हैं। मुख्य पेलोड, थाईलैंड और यूनाइटेड किंगडम द्वारा निर्मित एक 'पृथ्वी अवलोकन उपग्रह', अन्य सह-यात्री उपग्रहों के साथ उड़ान भरेगा, जिन्हें प्रक्षेपण के लगभग 17 मिनट बाद निर्धारित सूर्य-तुल्यकालिक कक्षा में स्थापित किया जाएगा। यह इसरो का इस वर्ष का पहला प्रक्षेपण होगा, और उन्होंने कहा कि इस मिशन के साथ भारतीय धरती से प्रक्षेपण किए गए विदेशी उपग्रहों की कुल संख्या 442 हो जाएगी।

सम्पादकीय

क्या टीएमसी-ईडी विवाद का पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव पर प्रभाव पड़ेगा? समझिए इसके सियासी मायने

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दृष्टिगत राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और प्रमुख विपक्षी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जो केंद्र में सत्तारूढ़ है, के बीच जिस तरह की सियासी जंग छिड़ी हुई है; केंद्र व राज्य की प्रशासनिक मिशनरियों के दुरूपयोग की बातें सुनी जा रही हैं, उससे साफ है कि दिल्ली की तत्कालीन सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया अरविंद केजरीवाल की ही तरह पश्चिम बंगाल की मौजूदा मुखिया ममता बनर्जी को उनके पद से हटाकर ही भाजपा रहेगी।

यही वजह है कि भाजपा ने मशहूर चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर को शह प्रदान करने वाली कंपनी आई-पैक की नकेल कसने का निश्चय किया है और अपनी प्रशासनिक प्रभाव वाली मिशनरी ईडी को उसके पीछे लगा दिया है, जैसा कि आरोपी लगते आये हैं। तभी तो टीएमसी और ईडी के बीच कोयला तस्करी से जुड़े आई-पैक छापों पर विवाद तेज हो गया है, जहां ममता बनर्जी ने केंद्रीय एजेंसी पर चुनावी डेटा चोरी का आरोप लगाया है। वहीं, ईडी का दावा है कि ममता ने जांच में बाधा डाली और महत्वपूर्ण दस्तावेज ले लिए। देखा जाए तो यह विवाद 2026 बंगाल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले केंद्र-राज्य टकराव को उभार रहा है।

बताते चलें कि ईडी ने 7-8 जनवरी 2026 को कोलकाता और दिल्ली में आई-पैक (टीएमसी की चुनावी सलाहकार फर्म) के 10 ठिकानों पर छापे मारे, जो कोयला घोटाले से जुड़े हैं। इससे विचलित हुईं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद ही छापे स्थल पहुंचीं और अपनी पार्टी की जरूरत वाली दस्तावेज बचाकर ले गईं, जिसे ईडी ने बाधा बताते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर की। वहीं, टीएमसी ने भी कोर्ट में ईडी पर राजनीतिक डेटा चुराने का केस ठोका, जबकि कोलकाता पुलिस ने ईडी के खिलाफ दो मामले दर्ज किए।

इस प्रकार उक्त विवाद का राजनीतिक प्रभाव स्पष्ट है। कुलमिलाकर यह विवाद टीएमसी को 'केंद्र की साजिश' का शिकार दिखाने में मदद कर रहा है, जो उसके वोट बैंक को एकजुट कर सकता है। जबकि भाजपा इसे भ्रष्टाचार उजागर करने का मौका मान रही है, खासकर पुराने घोटालों (स्कूल जॉब्स, पीडीएस) के बाद। वहीं अन्य विपक्षी दल जैसे कांग्रेस और आप टीएमसी का समर्थन कर रहे हैं, जबकि सीपीआई(एम) इसे स्टेज्ड ड्रामा बता रहा है।

इससे पुनः यह सवाल उठता है कि आखिर चुनाव से ठीक पहले शुरू हुआ यह राजनीतिक और प्रशासनिक ड्रामा किसके पक्ष में जाएगा? शायद टीएमसी के पक्ष में, क्योंकि इस विवाद से भी ममता की 'संघर्षरत नेता' की छवि मजबूत हो रही है। वहीं, जिस तरह से नई दिल्ली में टीएमसी सांसदों के प्रदर्शन से इंडिया गठबंधन को मजबूती मिली है, उससे साफ है कि चुनावी डेटा चोरी का नैरेटिव मुस्लिम-दलित वोटों को पुनः लोकसभा चुनाव 2024 की तरह ही एकजुट कर सकता है। क्योंकि टीएमसी को वोट एकीकरण में मदद मिलेगी, उसकी केंद्र-विरोधी नैरेटिव मजबूत होगी। यह बात दीगर है कि यदि कोर्ट में हार मिली तो इससे उनकी छवि को धक्का पहुंचेगा।

हालांकि, भाजपा के पक्ष में सकारात्मक बात यह है कि यदि ईडी कोयला घोटाले में ठोस सबूत लाती है, तो टीएमसी नेताओं (अभिषेक बनर्जी से जुड़े केस) पर दबाव बनेगा और भाजपा 'विकास ने भ्रष्टाचार' पर हमला बोल सकेगी। वहीं, कोर्ट फैसला भाजपा को नैतिक ऊंचाई दे सकता है। यदि ऐसा हुआ तो, जैसा कि दिल्ली का अनुभव चुगली कर रहा है कि केजरीवाल के बाद ममता का सियासी शिकार करके ही भाजपा दम लेगी। क्योंकि भाजपा भ्रष्टाचार के मुद्दे पर एक्सपोजर पा जाएगी और राज्य सरकार पर दबाव बनाने में सफल होगी, जबकि जोखिम यह है कि उसपर एजेंसी दुरुपयोग का आरोप पुष्ट होगा, जिससे जनता का मूड बदला तो उसे लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

सुलगता सवाल है कि आखिर इस विवाद का चुनावी प्रभाव पश्चिम बंगाल पर कितना होगा? तो जवाब होगा कि टीएमसी-ईडी विवाद पश्चिम बंगाल के अप्रैल 2026 विधानसभा चुनावों पर सीमित, लेकिन लक्षित प्रभाव डाल सकता है, खासकर करीबी सीटों (लगभग 90) पर जहां वोट अंतर कम है। यह केंद्र-राज्य टकराव को तेज कर टीएमसी को 'पीड़ित' की छवि दे रहा है, लेकिन लंबे समय तक भ्रष्टाचार के आरोपों से उसकी साख को नुकसान पहुंचा सकता है।

जहां तक टीएमसी पर प्रभाव की बात है तो इस विवाद से टीएमसी का कोर वोट बैंक (मुस्लिम-दलित) एकजुट हो सकता है, क्योंकि ममता की 'साजिश के खिलाफ लड़ाई' वाली इमेज मजबूत हुई है। वहीं नई दिल्ली प्रदर्शन और इंडिया गठबंधन का समर्थन मिलने से राज्य में सहानुभूति पैदा कर 5-10 सीटें बचा सकता है। हालांकि, कोयला घोटाले जैसे पुराने केस दोहराने से शहरी/मध्यम वर्ग में असंतोष बढ़ेगा।

जहां तक भाजपा पर प्रभाव की बात है तो भाजपा को भ्रष्टाचार उजागर करने का नैरेटिव मिला है, जो उसके 'परिवर्तन' एजेंडे को मजबूत करेगा, विशेषकर आदिवासी/हिंदू बहुल क्षेत्रों में। यदि कोर्ट ईडी के पक्ष में फैसला देता है, तो 10-15 सीटों पर फायदा संभव; वोटर लिस्ट एंड विवाद के साथ मिलकर ध्रुवीकरण तेज करेगा। जबकि जोखिम यह है कि एजेंसी दुरुपयोग का आरोप विपक्ष को मजबूत बनाएगा। जहां तक कुल चुनावी प्रभाव की बात है तो कुल 294 सीटों में यह विवाद 20-30 सीटों तक सीमित रह सकता है, क्योंकि बंगाल में स्थानीय मुद्दे (बेरोजगारी, एंड, बांग्लादेश तनाव) हावी हैं।

सवाल है कि इस विवाद से प्रभावित 90 विधानसभा सीटें कौन-कौन सी हैं तो जवाब होगा कि टीएमसी-ईडी विवाद से प्रभावित 90 विधानसभा सीटों का विश्लेषण वोटर लिस्ट विवाद (एंड योजना से 56 लाख नाम हटने) से जुड़ा है, न कि सीधे ईडी छापों से। ये वे सीटें हैं जहां वोटर अंतर कम (5,000 से कम) है और नाम हटने से टीएमसी का वोट बैंक प्रभावित हो सकता है।

विश्वविद्यालय, सत्ता और साहित्य की आहत गरिमा

डॉ. प्रियंका सौरभ

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर स्थित गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित एक साहित्यिक कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ हिंदी कथाकार मनोज रूपड़ा के साथ किया गया सार्वजनिक दुर्व्यवहार केवल एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना नहीं है, बल्कि यह हमारे समय में शैक्षणिक और सांस्कृतिक जीवन में गहराते संकट का स्पष्ट संकेत है। मंच पर आमंत्रित लेखक को अपमानित करना और कार्यक्रम छोड़ने के लिए कहना उस परंपरा के सर्वथा विपरीत है, जिसमें विश्वविद्यालयों को विचारों के मुक्त आदान-प्रदान, असहमति के सम्मान और रचनात्मक संवाद के केंद्र के रूप में देखा जाता रहा है। यह घटना केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है; यह साहित्य, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और बौद्धिक गरिमा पर सीधा आघात है।

तिहास में विश्वविद्यालयों की भूमिका कभी सत्ता के आगे नतमस्तक रहने की नहीं रही है। नालंदा और तक्षशिला जैसी प्राचीन शिक्षण परंपराओं से लेकर आधुनिक विश्वविद्यालयों तक, इन संस्थानों ने प्रश्न करने, तर्क करने और स्थापित धारणाओं को चुनौती देने की संस्कृति को पोषित किया है। विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाली मशीनें नहीं हैं; वे समाज की चेतना को दिशा देने वाले केंद्र होते हैं। यहाँ विचारों की विविधता, असहमति और विमर्श को कमजोरी नहीं, बल्कि बौद्धिक शक्ति माना जाता है। इसलिए जब किसी विश्वविद्यालय के भीतर सत्ता-लोलुपता, अहंकार और असहिष्णुता के दृश्य सामने आते हैं, तो यह केवल किसी एक कार्यक्रम की विफलता नहीं, बल्कि संस्थागत मूल्यों के क्षरण का प्रमाण होता है।

मनोज रूपड़ा समकालीन हिंदी कथा साहित्य का एक सशक्त और सम्मानित नाम हैं। उनकी कहानियाँ और उपन्यास सत्ता, समाज और व्यक्ति के बीच के जटिल संबंधों को निर्भीकता से उजागर करते हैं। वे उन लेखकों में हैं जिन्होंने साहित्य को केवल सौंदर्य का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक हस्तक्षेप का माध्यम माना है। ऐसे लेखक को आमंत्रित करना विश्वविद्यालय की बौद्धिक प्रतिबद्धता और खुलेपन का प्रतीक होना चाहिए था। किंतु उनके साथ किया गया व्यवहार यह दर्शाता है कि आलोचनात्मक चिंतन और स्वतंत्र विचार से असहजता, विवेक पर हावी हो गई है। यह प्रश्न स्वाभाविक है—क्या अब विश्वविद्यालय केवल औपचारिक कार्यक्रमों, प्रशस्ति-गायन और सत्ता-अनुकूल भाषणों तक सीमित रह जाएंगे?

कुलपति जैसे पद से केवल प्रशासनिक दक्षता ही नहीं, बल्कि नैतिक नेतृत्व और अकादमिक संवेदनशीलता की भी अपेक्षा होती है। यह पद संयम, संवाद और समावेशन का प्रतीक होना चाहिए। यदि विश्वविद्यालय का नेतृत्व आलोचना या असहमति को व्यक्तिगत चुनौती के रूप में देखने लगे, तो उसका प्रभाव किसी एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहता। धीरे-धीरे पूरे परिसर में भय का वातावरण फैलने लगता है। शिक्षक खुलकर बोलने से कतराने लगते हैं, विद्यार्थी प्रश्न पूछने से डरते हैं और रचनात्मकता आत्म-संयम तथा आत्म-सेंसरशिप की भेंट चढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में विश्वविद्यालय अपने मूल उद्देश्य से भटक जाता है और ज्ञान का केंद्र होने के बजाय अनुशासन और नियंत्रण का उपकरण बन जाता है।

इस घटना का एक और चिंताजनक पक्ष यह है कि संस्थागत स्तर पर आमंत्रित लेखक की गरिमा की रक्षा के लिए अपेक्षित संवेदनशीलता और दृढ़ता का अभाव दिखाई दिया। साहित्यिक आयोजनों की सफलता केवल मंच सजावट, पोस्टरों और औपचारिक भाषणों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि संवाद कितना खुला, सम्मानजनक और अर्थपूर्ण है। जब किसी लेखक का अपमान होता है और संस्था मौन रहती है, तो वह मौन सहमति का रूप ले लेता है। यह मौन भविष्य में और अधिक दमनकारी व्यवहार को प्रोत्साहित करता है तथा संस्था की नैतिक विश्वसनीयता को कमजोर करता है।

यह याद रखना आवश्यक है कि विश्वविद्यालय किसी व्यक्ति या अधिकारी की निजी जागीर नहीं होते। वे सार्वजनिक संसाधनों, करदाताओं के धन और समाज के विश्वास से संचालित होते हैं। यहाँ लिए गए निर्णय और प्रदर्शित आचरण समाज को एक संदेश देते हैं। यदि विश्वविद्यालयों में सत्ता, व्यक्तिगत अहंकार और असहिष्णुता हावी हो जाए, तो समाज में संवाद के स्थान पर टकराव और भय की संस्कृति पनपने लगती है। यह प्रवृत्ति केवल साहित्य और शिक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए भी घातक है, क्योंकि लोकतंत्र की नींव ही विचारों की बहुलता और असहमति के सम्मान पर टिकी होती है।

भारतीय लोकतंत्र की आत्मा में साहित्य और बौद्धिक विमर्श की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर सामाजिक सुधार आंदोलनों तक, लेखकों और चिंतकों ने सत्ता से प्रश्न पूछे हैं और समाज को आत्ममंथन के लिए प्रेरित किया है। यदि आज विश्वविद्यालयों में लेखकों और विचारकों को अपमानित किया जाएगा, तो यह उस परंपरा का गंभीर अपमान होगा जिसने हमें एक जीवंत लोकतांत्रिक समाज बनाया है। यह विडंबना ही है कि जिन संस्थानों से वैचारिक नेतृत्व की अपेक्षा की जाती है, वही यदि असहिष्णुता के उदाहरण प्रस्तुत करने लगें, तो समाज किस दिशा में जाएगा?

यह उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय के कुछ शिक्षकों ने स्थिति को संभालने और सम्मानजनक समाधान खोजने का प्रयास किया। यह दर्शाता है कि विवेक और संवेदनशीलता पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। किंतु यह भी सत्य है कि जब सत्ता का नशा विवेक पर हावी हो जाता है, तो व्यक्तिगत प्रयास अक्सर निष्फल सिद्ध होते हैं। संस्थागत संस्कृति तभी बदल सकती है, जब नेतृत्व स्वयं संवाद और आत्मालोचना के लिए तैयार हो।

यह घटना लेखकों और बुद्धिजीवियों की भूमिका पर भी पुनर्विचार के लिए विवश करती है। जब किसी लेखक के साथ अन्याय होता है और पूरा साहित्यिक समाज मौन रहता है, तो यह मौन स्वयं एक राजनीतिक और नैतिक वक्तव्य बन जाता है। इतिहास साक्षी है कि मौन ने हमेशा सत्ता को मजबूत और प्रतिरोध को कमजोर किया है। यदि आज इस घटना पर कोई स्पष्ट और सामूहिक प्रतिक्रिया नहीं होती, तो कल यह किसी अन्य लेखक, किसी अन्य विचार और किसी अन्य मंच पर दोहराई जाएगी।

साहित्य का मूल स्वभाव प्रश्न करने और प्रतिरोध का है। उसका जन्म सत्ता के आगे झुकने के लिए नहीं, बल्कि उसे आईना दिखाने के लिए हुआ है। यदि लेखक स्वयं अपनी गरिमा और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए खड़े नहीं होंगे, तो साहित्य धीरे-धीरे केवल करियर और पुरस्कारों तक सिमट जाएगा। तब वह समाज की आत्मा न रहकर व्यवस्था की एक सजावटी वस्तु बन जाएगा।

आज यह आवश्यक है कि विश्वविद्यालय प्रशासन, शिक्षक, विद्यार्थी और साहित्यिक संगठन इस घटना से सबक लें। विश्वविद्यालयों को आत्ममंथन करना चाहिए कि वे किस प्रकार का शैक्षणिक वातावरण तैयार कर रहे हैं—संवाद और विमर्श को प्रोत्साहित करने वाला या भय और आज्ञाकारिता को बढ़ावा देने वाला? साहित्यिक आयोजनों को केवल औपचारिकता न समझकर जीवंत वैचारिक मंच के रूप में देखा जाना चाहिए, जहाँ असहमति भी सम्मान के साथ व्यक्त की जा सके।

यह घटना निंदनीय है और कठोर आलोचना की मांग करती है, किंतु निंदा से आगे बढ़कर गहन आत्मचिंतन और सुधार की आवश्यकता है। विश्वविद्यालयों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में किसी भी आमंत्रित लेखक या वक्ता के साथ ऐसा व्यवहार न हो। अकादमिक स्वतंत्रता और गरिमा केवल कागज़ी नीतियों से नहीं, बल्कि आचरण और संस्कृति से सुरक्षित होती हैं।

अंततः प्रश्न केवल मनोज रूपड़ा या किसी एक कार्यक्रम का नहीं है। प्रश्न यह है कि हम किस प्रकार का विश्वविद्यालय और किस प्रकार का समाज बनाना चाहते हैं। यदि हम विचार से डरेंगे, प्रश्नों से भयभीत होंगे और असहमति को अपमान से दबाने का प्रयास करेंगे, तो हम एक जीवंत लोकतंत्र से भयग्रस्त समाज की ओर बढ़ेंगे। विश्वविद्यालयों को याद रखना चाहिए कि उनका अस्तित्व सत्ता की कृपा से नहीं, बल्कि ज्ञान, संवाद और स्वतंत्र चेतना से है। यदि यह चेतना कुचल दी गई, तो विश्वविद्यालय केवल इमारतें बनकर रह जाएंगे—ज्ञान के नहीं, बल्कि मौन के स्मारक।

Maharashtra Local Body Elections में मूल मुद्दे गायब, Hindu-Muslim Politics ने पकड़ा जोर

नीरज कुमार दुबे

महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों की सरगर्मी के बीच एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का एक बयान राजनीतिक तापमान को अचानक ऊंचाई पर ले गया है। हम आपको बता दें कि सोलापुर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि भारतीय संविधान इतना व्यापक है कि भविष्य में कोई भी नागरिक चाहे वह हिजाब पहने हो, वह भारत का प्रधानमंत्री बन सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यही भारत और पाकिस्तान के बीच मूल अंतर है जहां संविधान किसी धर्म के आधार पर नागरिक अधिकारों को सीमित नहीं करता।

हम आपको बता दें कि ओवैसी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब महाराष्ट्र के नगर निगम नगर परिषद और पंचायत चुनावों में धार्मिक और सामाजिक समीकरण निर्णायक भूमिका निभाने वाले हैं। उनका बयान मंच से उतरते ही राजनीतिक प्रतिक्रिया का केंद्र बन गया और देखते ही देखते यह मुद्दा स्थानीय निकाय चुनावों की बहस में शामिल हो गया। भारतीय जनता पार्टी के नेता नितेश राणे ने ओवैसी के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत में हिजाब पहनने वाला कभी प्रधानमंत्री नहीं बन सकता। उनका यह बयान केवल ओवैसी के तर्क का खंडन नहीं था बल्कि सीधे तौर पर हिंदू मुस्लिम राजनीति की नई लकीर खींचने वाला वक्तव्य माना गया। इसके बाद राजनीतिक दलों और सोशल मीडिया पर बयानबाजी तेज हो गई।

इस पूरे घटनाक्रम ने स्पष्ट कर दिया कि महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव अब केवल सड़कों, पानी और सफाई जैसे मुद्दों तक सीमित नहीं रहेंगे बल्कि पहचान और धार्मिक ध्रुवीकरण भी चुनावी विमर्श का हिस्सा बनने जा रहा है।

देखा जाये तो महाराष्ट्र की राजनीति में यह बयानबाजी सोची समझी चुनावी रणनीति का हिस्सा दिखती है। स्थानीय निकाय चुनाव भले ही औपचारिक रूप से नगर प्रशासन से जुड़े हों लेकिन वास्तव में वे राज्य और राष्ट्रीय राजनीति की प्रयोगशाला होते हैं। इसी प्रयोगशाला में इस बार हिंदू मुस्लिम राजनीति का नया फार्मूला आजमाया जा रहा है। ओवैसी का बयान संविधान की आड़ में एक स्पष्ट राजनीतिक संदेश देता है। उनका उद्देश्य केवल संवैधानिक व्याख्या करना नहीं बल्कि मुस्लिम मतदाताओं को यह संकेत देना है कि उनकी राजनीतिक आकांक्षाएं भी वैध हैं और उन्हें हाशिये पर नहीं रहना चाहिए। हम आपको बता दें कि महाराष्ट्र के शहरी इलाकों में जहां मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं वहां यह बयान सीधे तौर पर वोट बैंक को संबोधित करता है।

लेकिन इस बयान की असली चिंगारी तब भड़की जब भाजपा की ओर से यह कहा गया कि हिजाब पहनने वाला कभी प्रधानमंत्री नहीं बन सकता। यह प्रतिक्रिया केवल एक व्यक्ति के बयान का जवाब नहीं थी बल्कि यह हिंदू मतदाताओं को एक स्पष्ट संदेश देने की कोशिश थी कि सत्ता और पहचान की परिभाषा कौन तय करेगा। यहीं से यह बहस हिंदू मुस्लिम राजनीति के खुले मैदान में प्रवेश कर जाती है।

देखा जाये तो स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा के सामने चुनौती केवल प्रशासनिक मुद्दों की नहीं है बल्कि शहरी असंतोष और विपक्षी गठबंधनों की भी है। ऐसे में धार्मिक ध्रुवीकरण एक आसान और आजमाया हुआ रास्ता बन जाता है। ओवैसी का बयान और उस पर भाजपा की प्रतिक्रिया इसी रणनीति को धार देने का काम करती है। यह भी गौर करने योग्य है कि महाराष्ट्र में ओवैसी की पार्टी सीमित लेकिन प्रभावी इलाकों में चुनावी उपस्थिति दर्ज कराती रही है।

इस पूरी राजनीति में सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि स्थानीय समस्याएं पीछे छूट जाती हैं। शहरों में जल संकट, बेरोजगारी, अव्यवस्था और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे हैं लेकिन चुनावी विमर्श पहचान की बहस में उलझ जाता है। लोकतंत्र के निचले स्तर पर जब यह स्थिति बनती है तो उसका असर ऊपर तक जाता है। बहरहाल, महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव अब केवल पार्षद और नगराध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया नहीं रह गए हैं। वे यह तय करने जा रहे हैं कि राजनीति विकास की भाषा बोलेगी या धर्म की। ओवैसी के बयान और भाजपा की प्रतिक्रिया ने यह साफ कर दिया है कि आने वाले दिनों में चुनावी मैदान और अधिक गरम होने वाला है और हिंदू मुस्लिम राजनीति इसका मुख्य हथियार बनने जा रही है।

उद्देश्यहीन संयुक्त राष्ट्र संघ को भंग क्यों नही करते?

अशोक मधुप
वरिष्ठ पत्रकार

संयुक्त राष्ट्र संघ (यूनाइटेड नेशनस) का मुख्य औचित्य अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना, मानव अधिकारों की रक्षा करना, और विभिन्न राष्ट्रों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करना है। इसका गठन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 1945 में 51 देशों द्वारा किया गया था। इसका उद्देश्य था कि भावी युद्धों को रोका वैश्विक सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके। आज 193 देश इसके सदस्य हैं। इतने बड़े संगठन का लगता है कि आज कोई देश कहना मानने को तैयार नहीं। सबकी अपनी ढपली अपना राग है। संयुक्त राष्ट्र संघ तमाशबीन बन कर रह गया है।

हाल ही में अमेरिका ने वेनेजुएला पर कब्जाकर लिया। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को बंदी बना लिया गया। उन्हें न्यूयॉर्क ले जाया गया है । वहां ड्रग्स तस्करी के आरोपों में उन पर मुक़दमा चलाया जा रहा है। अमेरिका इस पर भी वे चुप नही बैठा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला में सैन्य अभियान के बाद कई देशों को धमकी दी है। उन्होंने इशारा किया है कि कोलंबिया में कभी भी सैन्य कार्रवाई हो सकती है। उन्होंने मेक्सिको को भी चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा कि वह वेनेजुएला के बेपटरी हो चुके तेल उद्योग को उबारने के लिए अमेरिकी कंपनियों पर भरोसा कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इशारा किया कि वह कोलंबिया में सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मेक्सिको को ड्रग्स के मामले में ठीक से काम करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका को ग्रीनलैंड की जरूरत है। उधर वेनेजुएला की मौजूदा स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की इमरजेंसी बैठक में महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के बयान में कहा गया कि

वेनेजुएला में अमेरिका की कार्रवाई के मामले में 'अंतरराष्ट्रीय कानून के नियमों का पालन नहीं किया गया है', इस बात से वे 'बहुत चिंतित' हैं। रोज़मेरी डिकार्लो ने गुटेरेस का बयान पढ़ते हुए इस बात पर चिंता जताई कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए क्या मिसाल कायम कर सकती है।उन्होंने कहा कि वेनेजुएला में हालात नाजुक हैं, लेकिन अभी भी एक बड़े टकराव को रोका जा सकता है। वहीं रूस के प्रतिनिधि ने निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ़्लोरेस को तुरंत रिहा करने की मांग की।

ईरान के भी हालात ठीक नही है। वहां भी कभी भी तख्ता पल्ट हो सकता है। ईरान में बढ़ती महंगाई और देश की बिगड़ती आर्थिक हालत को लेकर सरकार के खिलाफ़ लगभग एक हफ़्ते से प्रदर्शन जारी है।ये पिछले तीन साल में देश में सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन है। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की सरकार को चेतावनी दी है। उन्होंने सोशल पर पोस्ट में ईरान में प्रदर्शन कर रहे लोगों को मदद का भरोसा भी दिया है। उन्होंने लिखा, 'अगर ईरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाता है और उन्हें बेरहमी से मारता है, जो कि उनकी आदत है, तो अमेरिका उनको (प्रदर्शनकारियों को) बचाने के लिए आएगा.'अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान के 'शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों' की मदद के लिए 'पूरी तरह तैयार' है। पिछले साल जून में अमेरिक ने ईरान

पर हमले किए। दावा किया गया कि उसने इरान के परमाणु ठिकानों पर हमले किए है। इस्राइल भी हमले कर चुका है। इस्राइल और अमेरिका की नजर में बहुत समय ये इरान खटक रहा है।

एक ओर अमेरिक की दादागिरी का ये हाल है। उधर चीन ताइवान पर कब्जा करने को तैयार बैठा है। वह समय-समय पर अपनी वायु और जल सेना भेजकर ताइवान को धमकाता रहता है। कभी भी चीन सैनिक कार्रवाई कर ताइवान पर कब्जा कर सकता है।

इज़रायल और हमास के बीच सात अक्टूबर 2023 को शुरू हुए युद्ध को चलते हुए दो साल और तीन महीने हो चुके हैं। अक्टूबर 2025 में एक संघर्ष विराम समझौता हुआ था। इसके बाद बड़े पैमाने पर बमबारी में कमी आई है, लेकिन तनाव और छिटपुट सैन्य कार्रवाई अभी भी जारी है।गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय और संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, अब तक इस युद्ध में 70,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। इसमें हमास के लड़ाके और बड़ी संख्या में नागरिक (महिलाएं और बच्चे) शामिल हैं। 1,71,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इज़रायल पक्ष की ओर से सात अक्टूबर 2023 के हमले में लगभग 1,200 लोग मारे गए थे। इसके बाद सैन्य अभियान के दौरान लगभग 1,000 इज़रायली सैनिक मारे गए हैं। इस युद्ध में गाजा पट्टी की लगभग 80 प्रतिशत इमारतें और बुनियादी ढांचा (अस्पताल, स्कूल, सड़कें) पूरी तरह या आंशिक रूप से नष्ट हो चुके हैं। युद्ध के कारण इज़रायल को अरबों डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ है तो गाजा की अर्थव्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। इस्राइल से ईरान पर भी हमला किया। इसमें बैलिस्टिक मिजाइल प्रयोग हुआ। इतना ही नही इस्राइल ने कतर पर भी पिछले दिनों हमला किया। 24 फरवरी 2022 को शुरू हुए रूस-यूक्रेन युद्ध को तीन साल 10 माह बीत गए। युद्ध निरंतर जारी है। यूक्रेन के जनरल स्टाफ और पश्चिमी खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, रूस के 12 लाख से अधिक सैनिक या तो मारे गए हैं या घायल हुए हैं। स्वतंत्र रूसी मीडिया समूहों ने ओपन-सोर्स डेटा के आधार पर कम से कम 1,53,000 रूसी सैनिकों की मौत की होना माना है। विभिन्न पश्चिमी अनुमानों (जैसे दिसंबर 2024-25 की रिपोर्ट) के अनुसार, यूक्रेन के लगभग 4,00,000 से 5,00,000 सैनिक मारे गए या घायल हुए हैं।

इतना सब हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ मानव जीवन की बरबादी देख रहा है। यह असहाय बना बैठा है। मानव जीवन का विनाश रोकने के लिए वह कुछ नहीं कर पा रहा। उसकी भूमिका शून्य होकर रह गई है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि जब संयुक्त राष्ट्र संघ कुछ नहीं कर सकता। कोई देश उसकी मानने को तैयार नही। युद्ध रोकने की उसकी शक्ति नहीं तो उसका औचित्य क्या है? दुनिया के देश क्यों इस सफेद हाथी को पाले हैं। क्यों इसका खर्च वहन कर रह हैं। इसे भंग क्यों नही कर दिया जाता।

लगभग दो साल पूर्व हमास- इस्राइल युद्ध को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र में प्रयास हुए। कई बार प्रस्ताव के प्रयास हुए पर वीटो पावर वाले देशों के अड़ंगे के कारण कुछ नहीं हो सका। बाद में संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस युद्ध को रोकने के लिए सर्वसम्मत प्रस्ताव स्वीकार किया, किंतु इस्राइल ने इसे स्वीकार करने से मना कर इतना सब होने के बाद भी संयुक्त राष्ट्र इस युद्ध को नहीं रोक पाया। न रोक पा रहा है। इस युद्ध से युद्धरत देशों के विकास तो रुका ही, मानव कल्याण के लिए भवन, पुल, स्कूल और उद्योग खंडहर बन गए। हमास -इस्राइल युद्ध के बीच हुति विद्रोहियों ने इस्राइल पर मिजाइल से हमले किए। इस्राइल समर्थक देशों के मालवाहक जहाजों पर मिजाइल दागीं। इस सब के बावजूद संयुक्त राष्ट्र संघ की नींद नही खुली।

आज संयुक्त राष्ट्र महासभा कुछ देश के हाथों की कठपुतली बन गया है। अन्य देश न अपनी ताकत का प्रयोग कर सकता है ना अपनी क्षमता का । आज के हालात को देखते हुए लगता है कि अपने सबसे बड़े कार्य का दायित्व निभाने में वह सक्षम नहीं है। पांच वीटो पावर देश उसे अपनी मर्जी से नचा रहे हैं। उनके एकजुट हुए बिना संयुक्त राष्ट्र महासभा कुछ नहीं कर सकता। ये पांचों विटो पावर देश खुद खेमों में बंटे है। ऐसे में सर्वसम्मत प्रस्ताव पास होना एक प्रकार से नामुमकिन हो गया है। म्यांमार में पिछले दिनों सेना का जुल्म देखने को मिला। चीन में उइगर मुसलमानों पर जुल्म जग जाहिर हैं। पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। आज आतंकवाद पूरे विश्व की बड़ी समस्या है। सब जानते हैं कि कौन देश इसे पालपोस रहे हैं। इस आंतकवाद के खात्मे के लिए कोई संयुक्त प्रयास नही हो रहे। कभी इस बारे में प्रस्ताव आता है तो पांच विटो पावर दादाओं में से कोई न कोई उस प्रस्ताव को विटो कर देता है।

आज जरूरत आ गई है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा की उपयोगिता पर विचार किया जाए। इसे उपयोगी बनाने पर कार्य किया जाए। ऐसा ढांचा खड़ा किया जाए कि एक देश दूसरे देश का मददगार बने। मुसीबत में उसके साथ खड़े हो, उसकी रक्षा कर सकें। ऐसा नहीं कि लाठी के बूते कोई किसी देश की चुनी सरकार को अपदस्थ कर दे। सब दुनिया के सभी देश बराबर हैं तो पूरी दुनिया के पांच देशों को ही वीटो पावर का अधिकार क्यों? उनकी ही पूरी दुनिया पर दादागिरी क्यों?इस पर विचार किए जाने की जरूरत है।आज के हालात में सामूहिकता बढ़ाने ,सामूहिक निर्णय पर चलने, सामूहिक विकास का सोचने की सबसे बडी जरूरत है। एक ऐसे संगठन की दुनिया को जरूरत है जो निष्पक्ष और तटस्थ होकर पूरी दुनिया में शांति स्थापना के लिए काम कर सके।

पद्मश्री पुरस्कार से अलंकृत प्रो. राम हर्ष सिंह जी की 85वीं जन्म जयंती मनाई गई

प्रयागराज। आयुर्वेद के मूर्धन्य विद्वान स्मृति शेष पद्मश्री प्रो. रामहर्ष सिंह जी की 85वीं जन्म जयंती श्री राम हर्षण चिकित्सा निलयम् त्रिवेणीपुरम्, प्रयागराज में धूमधाम से मनाई गई ।इस अवसर पर उनके शिष्य विश्व प्रो.(डॉ.) जी एस तोमर ने अपने उद्बोधन में आचार्य श्रेष्ठ के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला । उन्होंने बताया प्रो0 रामहर्ष सिंह, काशी हिन्दू विशविद्यालय के आयुर्वेद संकाय में डिस्टिंग्विस्ड प्रोफेसर एंव वरिष्ट आयुर्वेद चिकित्सक रहे हैं। प्रो0 सिंह ने आयुर्वेद चिकित्सा को युगानुरूप स्वरूप तथा उसे वैज्ञानिक धरातल प्रदान करनें में महत्वपूर्ण योगदान किया है जिससे आयुर्वेद को चिकित्सा की मुख्यधारा में जोड़ने के प्रयासों को बल मिला है और विदेशों में भी आयुर्वेद की स्वीकार्यता बढ़ी है।

प्रो0 रामहर्ष सिंह का जन्म जनवरी 10, 1942 को ग्राम कनियारिपुर, कोपागंज, जिला मऊ में हुआ। उन्हों ने ए.बी.एम.एस एवं पीएच.डी. बी.एच.यू. से तथा डी.लिट. व फेलो ऑफ राष्ट्रीय आयुर्वेद अकादमी सहित कई अन्य शैक्षणिक योग्यता अर्जित की ।काशी हिन्दू विश्वविद्यालय कायचिकित्सा

विभाग, आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान में 40 वर्षों तक शिक्षण, शोध एवं चिकित्सा कार्य किए । प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष तथा डीन के पदों पर उच्च स्तरीय कार्य सम्पादन किए । सन् 2003-2006 तक वह राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के संस्थापक कुलपति तथा 2006 में वर्षपर्यन्त दक्षिण कोरिया के वोनक्वांग डिजिटल विश्वविद्यालय में चेयर प्रोफेसर तथा पुनः बी.एच.यू. में इमेरिटस प्रोफेसर और पुनः अप्रैल 2012 से आजीवन डिस्टिंग्विस्ड प्रोफेसर के पद पर कार्यरत रहे । वह भारत सरकार द्वारा गठित आयुष सेक्टर इनोवेशन काउंसिल के अध्यक्ष थे । प्रो सिंह राष्ट्रीय विज्ञान इतिहास आयोग, आई.एन.एस.ए. के सदस्य रहे।उन्होंने लगभग 80 एम.डी.(आयुर्वेद) तथा 40 पीएच.डी. धारकों का सफल निर्देशन किया । प्रो0 सिंह ने अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, योरप, रशिया, जापान आदि अनेक देशों कि शैक्षणिक एंव अकादमिक यात्रा कर विदेशों में आयुर्वेद का प्रचार प्रसार करते हुए आयुर्वेद के वैश्वीकरण को गति प्रदान करने में अहं भूमिका निभाई। आपको भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित नागरिक अलंकरण पद्मश्री से वर्ष 2016 में सम्मानित किया गया है । उन्हें भारत सरकार के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय धनवंतरी आयुर्वेद पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया ।डॉ सिंह को एम्स नई दिल्ली द्वारा लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड से भी सम्मानित किया गया । वह कई अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं के संपादक भी रहे हैं। प्रो0 सिंह ने आयुर्वेदीय शिक्षण एवं अनुसंधान में राष्ट्रीय नीति निर्धारण में महत्वपूर्ण योगदान किए । जीर्ण व्याधियों की चिकित्सा एवं जरा-स्वास्थ्य प्रबंधन आपके वैशिष्ठ्य के विषय रहे । आयुर्वेदीय रसायनतंत्र विशेषतः मेध्य रसायनों पर उनके शोध कार्य महत्वपूर्ण माने जाते हैं। आपनें राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं में 200 शोधपत्र तथा 20 महत्वपूर्ण ग्रंथ प्रकाशित किए हैं जो राष्ट्रीय स्तर पर समादृत हैं। कार्यक्रम में पुष्पांजलि के उपरान्त डॉ वी एन त्रिपाठी, डॉ कामता प्रसाद, डॉ निर्मला तोमर, डॉ अवनीश पाण्डेय व राजेन्द्र सिंह ने भी अपने संस्मरण रखे । इस अवसर पर अंकुर सिंह, मनीष शुक्ला एवं अभिषेक मिश्रा आदि अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में भदोही का शानदार प्रदर्शन प्रदेश में मिला 12वां स्थान

भदोही। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी सीएम डैशबोर्ड के अंतर्गत माह दिसम्बर की प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में जनपद भदोही ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। विकास एवं राजस्व कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के दम पर जनपद ने 91.70 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए प्रदेश में 12वां स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि जनपद के प्रशासनिक तंत्र की कार्यकुशलता, पारदर्शिता एवं सतत निगरानी का सशक्त प्रमाण मानी जा रही है।

इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल ने जनपद के सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए उनके परिश्रम, कर्तव्यनिष्ठा और टीम भावना की सराहना की। जिलाधिकारी ने कहा कि सीएम डैशबोर्ड शासन की प्राथमिकताओं को धरातल पर उतारने का प्रभावी माध्यम है और भदोही का बेहतर प्रदर्शन सभी विभागों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। जिलाधिकारी ने बताया कि विकास योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन, राजस्व मामलों में पारदर्शिता, जनहित से जुड़े प्रकरणों का त्वरित निस्तारण तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की सतत मॉनिटरिंग से यह सफलता संभव हो सकी है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए जनपद को और बेहतर प्रदर्शन की दिशा में आगे बढ़ाया जाए।

वहीं मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल ने कहा कि जनपद का उद्देश्य केवल रैंकिंग सुधारना नहीं, बल्कि शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि निरंतर सुधार, तकनीकी नवाचार और विभागीय समन्वय के माध्यम से भदोही आने वाले समय में सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में और बेहतर स्थान प्राप्त करेगा।

कड़ाके की ठंड व शीतलहर से बचाव हेतु शासन के निर्देशानुसार जनपद में कंबल वितरण अभियान जारी

औराई के गिर्द बड़गांव में कंबल पाकर गरीबों को मिली ऊर्जा,जताया मुख्यमंत्री व जिला प्रशासन का आभार

भदोही। कड़ाके की ठंड, घना कोहरा एवं शीतलहर से आमजन को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से शासन के मंशानुरूप तथा जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देश के क्रम में जनपद के समस्त तहसील क्षेत्रों में शासकीय कंबलों का वितरण निरंतर किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य समाज के वंचित, गरीब, असहाय एवं बेसहारा व्यक्तियों को ठंड से राहत प्रदान करना है।

इसी क्रम में तहसील औराई के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र ग्राम पंचायत गिर्द बड़गांव में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तहसील औराई राजस्व टीम द्वारा पात्र व जरूरतमंद व्यक्तियों को शासकीय कंबल वितरित किए गए। कंबल पाकर लाभार्थियों ने प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी श्याम मणि त्रिपाठी एवं तहसीलदार औराई ने बताया कि शासन एवं जिला प्रशासन का यह प्रयास है कि शीतलहर के दौरान कोई भी जरूरतमंद ठंड से प्रभावित न हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि ग्राम

स्तर पर सर्वे कर वास्तविक जरूरतमंदों की पहचान सुनिश्चित की जाए तथा उन्हें प्राथमिकता के आधार पर राहत सामग्री उपलब्ध कराई जाए।

कंबल वितरण के दौरान स्थानीय प्रशासन, ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि, लेखपाल एवं अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

जिला प्रशासन द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि शीतलहर की अवधि तक कंबल वितरण सहित अलाव, रैन बसेरा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं निरंतर की जाती रहेंगी, ताकि जनपद के प्रत्येक जरूरतमंद को समय से राहत मिल सके।

जनपद में वीएचएनडी सत्रों का सफल आयोजन, सीडीओ द्वारा जूम के माध्यम से की गई प्रभावी मॉनिटरिंग

भदोही। जनपद में वीएचएनडी (Village Health & Nutrition Day) सत्रों का सुनियोजित एवं सफल आयोजन किया गया। इन सत्रों की मॉनिटरिंग मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल द्वारा जूम माध्यम से की गई। मॉनिटरिंग के दौरान यह पाया गया कि सभी सत्र स्थलों पर चिकित्सक, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं आशा कार्यकत्रियां उपस्थित रहीं तथा उनके द्वारा शासन द्वारा निर्धारित समस्त कार्यों का विधिवत निष्पादन किया गया।

वीएचएनडी सत्रों के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं की जांच (4 एएनसी), उच्च जोखिम गर्भावस्था की पहचान, सुरक्षित प्रसव को बढ़ावा, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं (एमसीएच), शून्य से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का टीकाकरण, पोषण परामर्श, वजन मापन एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार दिसंबर 2025 (01 से 31 दिसंबर) के दौरान जनपद भदोही में कुल 2935 प्रसव दर्ज किए गए, जिनमें 2347 सरकारी संस्थानों, 615 निजी संस्थानों तथा 7 गृह प्रसव सम्मिलित हैं। इस अवधि में कुल 2454 गर्भवती महिलाओं की 4 एएनसी जांच, 59 उच्च जोखिम गर्भावस्थाओं की पहचान, तथा 1725

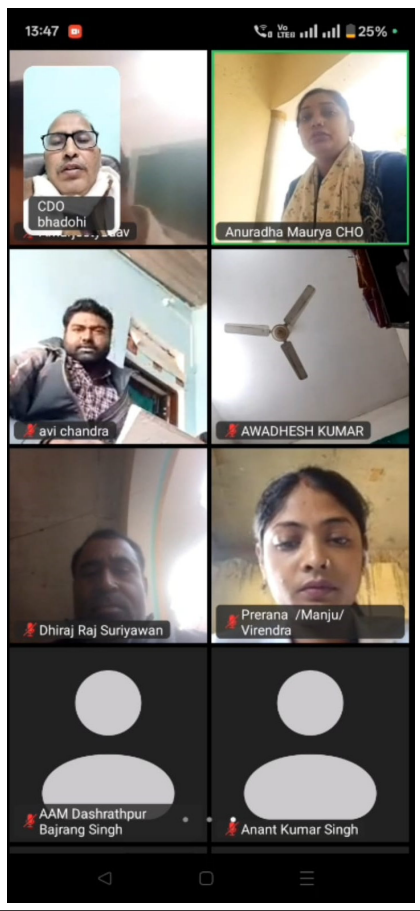

पुरुष एवं 1276 महिला शिशुओं का जन्म दर्ज किया गया। कम जन्म वजन (2.5 किग्रा से कम) के 57 प्रकरण चिन्हित किए गए। जनपद में इस अवधि में कोई मातृ मृत्यु नहीं पाई गई, जो स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावशीलता को दर्शाता है।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा वीएचएनडी सत्रों की गुणवत्ता, उपस्थिति एवं कार्य निष्पादन पर संतोष व्यक्त करते हुए संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि इसी प्रकार आपसी समन्वय, नियमित मॉनिटरिंग एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संकेतकों में निरंतर सुधार सुनिश्चित किया जाए।

उक्त वीएचएनडी सत्रों के आयोजन एवं प्रभावी मॉनिटरिंग से जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन को मजबूती मिली है।

बिशप हार्टमन एकेडमी में अभिभावक गोष्ठी संपन्न

थरवई। बिशप हार्टमन एकेडमी में शनिवार को अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान बच्चों की हाल ही में संपन्न परीक्षाओं के परिणाम अभिभावकों को दिखाए गए। इस अवसर पर उत्तर पुस्तिकाएं भी अभिभावकों के समक्ष प्रस्तुत की गईं, जिससे वे बच्चों की प्रगति को भली-भांति समझ सकें।विद्यालय के फादर एल्बर्ट लोबो के कुशल निर्देशन में आयोजित इस बैठक में प्रत्येक कक्षा के कक्षाध्यापकों ने अभिभावकों से व्यक्तिगत रूप से संवाद किया। शिक्षकों ने बच्चों की शैक्षिक स्थिति, उनकी खूबियों और कमजोरियों पर विस्तार से चर्चा की।कम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई। शिक्षकों ने ऐसे बच्चों की कमियों को चिन्हित कर उन्हें दूर करने के उपाय बताए, ताकि आगामी परीक्षाओं में वे बेहतर प्रदर्शन कर सकें। साथ ही विद्यार्थियों को और अधिक मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया गया।

एसीसीबी हैंडलूम क्रिकेट प्रतियोगिता के सौजन्य से डीएम-एसपी ने जरूरतमंदों को बाँटा कम्बल

भदोही। एसीसीबी हैंडलूम क्रिकेट प्रतियोगिता के सौजन्य से शनिवार को पूर्व माध्यमिक विद्यालय अभिया में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत जरूरतमंद एवं असहाय लगभग पाँच सौ लोगों को कंबल वितरित कर ठंड से राहत पहुंचाई गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी शैलेश कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक उपस्थित रहे। आयोजन समिति की ओर से जिला पंचायत सदस्य आशीष सिंह, सुभासपा नेता राकेश वर्मा एवं ग्राम प्रधान अनिल सिंह ने दोनों अधिकारियों का माल्यार्पण कर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

कंबल वितरण के दौरान जिलाधिकारी शैलेश कुमार ने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों की सहायता करना सबसे बड़ा मानवीय कार्य है। ऐसे आयोजन न केवल जरूरतमंदों को राहत पहुंचाते हैं, बल्कि समाज में आपसी सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को भी मजबूत करते हैं।

वहीं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने कहा कि सामाजिक संगठनों एवं आयोजकों की यह पहल सराहनीय है। प्रशासन का प्रयास है कि कोई भी व्यक्ति ठंड में असहाय न रहे। उन्होंने आमजन से भी ऐसे सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदारी करने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन समिति की इस सामाजिक पहल की डीएम व एसपी द्वारा व्यापक सराहना की गई।

पंचायतीराज व ग्रामीण विकास को लेकर डिप्टी सीएम से मिले प्रधान संघ के प्रदेश अध्यक्ष

भदोही। ग्रामीण सत्ता पंचायतीराज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से शिष्टाचार भेंट कर पंचायतीराज व्यवस्था, महिला सशक्तिकरण एवं ग्रामीण विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। यह संवाद सकारात्मक, सार्थक और दूरदर्शी रहा। भेंट के दौरान प्रदेश के समग्र विकास तथा पंचायतों को और अधिक सशक्त बनाने के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को दोहराया गया। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

प्रदेश मीडिया प्रभारी राजमणि पांडेय ने बताया कि प्रधान संघ के प्रदेश अध्यक्ष ने उपमुख्यमंत्री के समक्ष ग्राम प्रधानों की विभिन्न समस्याओं और मांगों को प्रमुखता से रखा, जिस पर डिप्टी सीएम ने सकारात्मक रुख दिखाते हुए समाधान का भरोसा दिलाया।

मिशन शक्ति केन्द्र सुरियावां द्वारा महिला का ससुरालजनों के बीच कराया गया सुलह

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'मिशन शक्ति फेज-5.0' के तहत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मिशन शक्ति केन्द्र द्वारा महिलाओं के घरेलू विवाद को समाप्त करने हेतु लगातार सार्थक प्रयास किया जा रहा है। प्रार्थीनी ने शिकायती प्रार्थना पत्र दिया कि प्रार्थीनी का पति 08 वर्ष पूर्व एक दूसरी शादी कर लिया था जिसके सम्बन्ध में महिला का परिवाद मा0 न्यायालय में विचाराधीन है मा0 न्यायालय द्वारा आवेदिका को प्रति माह 4000 भरण पोषण का आदेश पारित हुआ जो आवेदिका के पति द्वारा उसको दिया जाता है परंतु महिला के सास-ससुर उसे घर में रहने नही दे रहे है। मिशन शक्ति केंद्र थाना सुरियावां द्वारा मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए महिला के ससुराल जनों को थाना स्थानीय पर बुलाया और दोनों पक्षों को समझाकर बुझाकर समझौता कराया गया जिसके फलस्वरूप महिला के ससुराल वाले महिला को घर में रखने के लिए मान गये। महिला द्वारा भदोही पुलिस का किया हृदय से धन्यवाद।

मिशन शक्ति केन्द्र के पुलिसकर्मी
1.उ0नि0 रामदर्शन प्रसाद
2.का0 महेश कुमार
2.म0का0 सोनल।

थाना समाधान दिवस में आई 56 शिकायतों में आठ पर हुई त्वरित कार्रवाई

भदोही। शासन की मंशानुसार आमजन को त्वरित, पारदर्शी और न्यायसंगत राहत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शनिवार को जनपद भदोही के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी शैलेश कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में आयोजित इस जनसुनवाई में फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया और उनके गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक स्वयं थाना सुरियावां पहुंचे, जहां उन्होंने फरियादियों की शिकायतें सुनकर संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शासन की प्राथमिकता है कि जनता की समस्याओं का समाधान समयबद्ध और निष्पक्ष तरीके से हो तथा फरियादियों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

थाना समाधान दिवस के दौरान जनपद के सभी थानों पर कुल 56 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें 48 राजस्व विभाग एवं 08 पुलिस विभाग से संबंधित थे। पुलिस विभाग से जुड़ी सभी शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि राजस्व मामलों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए पुलिस व राजस्व विभाग की संयुक्त रूप से पांच टीमें गठित की गईं।

अधिकारियों ने निर्देश दिए कि भूमि विवाद, कब्जा, रास्ता, पैमाइश जैसे मामलों में पुलिस और राजस्व विभाग समन्वय के साथ संयुक्त जांच कर निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करें, जिससे पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके।

थाना औराई में आयोजित समाधान दिवस में क्षेत्राधिकारी राजीव कुमार सिंह, थानाध्यक्ष एवं प्रशासनिक टीम की मौजूदगी में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया गया।

पद्मश्री डॉ राम हर्ष सिंह की 85वीं जन्म जयंती पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन- डॉ जी एस तोमर

प्रयागराजः विकास भवन में गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष पूर्व कमिश्नर रिटायर्ड आईएएस आर एस वर्मा की अध्यक्षता में प्रायोजित गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की मासिक बैठक में पद्मश्री डॉ राम हर्ष सिंह की 85वीं जन्म जयंती के अवसर पर प्रवेक कल्प के सौजन्य से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया । जिसमें एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, बी के सिंह , पूर्व कमिश्नर प्रयागराज, पूर्व सीएमओ डॉ पी के सिन्हा, पूर्व डिप्टी सीएमओ डॉ बी के श्रीवास्तव सहित शताधिक पेंशनर्स का बीएमडी एवं ब्लड शुगर सहित गहन स्वास्थ्य परीक्षण किया गया । इस अवसर पर ख्याति लब्ध आयुर्वेद चिकित्सक डॉ जी एस तोमर द्वारा चिकित्सा परामर्श एवं भीषण ठंड के इस मौसम में बचाव के उपाय पर प्रबोधन भी दिया गया । इस अवसर पर प्रवेक कल्प के सौजन्य से निःशुल्क औषधियाँ भी वितरित की गईं । स्वास्थ्य शिविर में प्रवेक कल्प के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित अखिलेन्द्र सिंह एवं अंकुर सिंह ने सहयोग प्रदान किया ।

जनवरी के अंत में दयानंद चोरघे करेंगे पार्टी बदल...

भिवंडी में 5 हजार कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में होगा भव्य प्रवेश समारोह

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। ठाणे जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद अब ठाणे जिला ग्रामीण कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और डी. वाय. फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष दयानंद चोरघे के पार्टी प्रवेश को लेकर तस्वीर साफ हो गई है। जनवरी माह के अंत तक वे किसी नए राजनीतिक दल में शामिल होने जा रहे हैं। हालांकि, किस पार्टी में प्रवेश करेंगे, इसका खुलासा वे प्रवेश की तारीख से दो दिन पहले पत्रकार परिषद के माध्यम से करेंगे।

नगर परिषद चुनावों की पृष्ठभूमि में प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के साथ मतभेद सामने आने के बाद दयानंद चोरघे ने अपने पद से इस्तीफा दिया था। इसके बाद उनके भविष्य के राजनीतिक कदम को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई

जा रही थीं। हालांकि, उन्होंने तत्काल किसी भी दल में शामिल न होकर 'वेट एंड वॉच' की भूमिका अपनाई थी। अब उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि उनका पार्टी प्रवेश तय है। भिवंडी में आयोजित होने वाले एक भव्य सार्वजनिक सम्मेलन में वे अपने हजारों समर्थकों के साथ नए दल में शामिल होंगे। इस अवसर पर भिवंडी, शहापुर, मुरबाड़, कल्याण, बदलापुर, अंबरनाथ और पालघर जिले के वाडा क्षेत्र से पूर्व जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, पूर्व सभापति-उपसभापति, वर्तमान व पूर्व सरपंच-उपसरपंच, ग्राम पंचायत सदस्य, सहकार क्षेत्र के पदाधिकारी, विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। बताया जा रहा है कि करीब 5 हजार से अधिक कार्यकर्ता उनके साथ पार्टी प्रवेश करेंगे। जब उनसे यह पूछा गया कि वे किस पार्टी में शामिल होंगे, तो उन्होंने कहा कि जनवरी के अंत तक प्रवेश की तारीख घोषित की जाएगी और उसके दो दिन पहले वे स्वयं पत्रकारों को बता देंगे कि किस दल में जा रहे हैं। दयानंद चोरघे के इतने बड़े जनाधार के साथ पार्टी प्रवेश से जिस भी दल में वे शामिल होंगे, उसकी राजनीतिक ताकत में बड़ा इजाफा होना तय माना जा रहा है। वहीं दूसरी ओर, पहले से कमजोर स्थिति में चल रही कांग्रेस के लिए यह बड़ा झटका साबित हो सकता है। फिलहाल, चोरघे किस दल का दामन थामेंगे, यह रहस्य बना हुआ है, लेकिन पूरे जिले में उनके पार्टी प्रवेश को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

चोरी की दो वारदातें, लाखों के सोने-चांदी के आभूषण उड़ाए

अज्ञात चोरों के खिलाफ दो थानों में केस दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी।शहर में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। अलग-अलग इलाकों में हुई दो वारदातों में अज्ञात चोरों ने सोने-चांदी के कीमती आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया। दोनों मामलों में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पहली घटना कामतघर इलाके के काशीनगर की है। यहां 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला राजेश्वरी राजेशाम सिलवेरी अपने घर के दरवाजे के पास खड़ी थीं। इसी दौरान पीछे से आए एक अज्ञात व्यक्ति ने मौका देखकर बड़ी चालाकी से उनके गले से करीब 30 ग्राम वजनी सोने का मंगलसूत्र झपट लिया और मौके से फरार हो गया। इस झपटमारी की घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। पीड़िता की शिकायत पर शहर पुलिस स्टेशन में अज्ञात लुटेरे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।दूसरी वारदात काल्हेर पाइपलाइन इलाके में सामने आई है। यहां रहने वाले अमोल सुभाष महिद (34) किसी काम से घर से बाहर गए हुए थे। इसी का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने उनके घर के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर भीतर प्रवेश किया। चोरों ने बेडरूम में रखी लकड़ी की अलमारी से करीब 1 लाख 22 हजार 400 रुपये मूल्य के सोने और चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। इस मामले में नारपोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस दोनों ही घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और अन्य तकनीकी व स्थानीय सुरागों के आधार पर अज्ञात चोरों की तलाश में जुटी हुई है।

खार्डी गांव में पुलिस की बड़ी कार्रवाई. 4.32 लाख रुपये की अवैध शराब नष्ट खाड़ी किनारे चल रही भट्टी पर छापा. आरोपी फरार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। ठाणे ग्रामीण पुलिस की स्थानीय अपराध शाखा ने भिवंडी तालुका के खार्डी गांव में अवैध शराब के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए खाड़ी किनारे चल रही एक देशी शराब की भट्टी को ध्वस्त किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने करीब 4 लाख 32 हजार 700 रुपये मूल्य का कच्चा माल और तैयार शराब जब्त कर मौके पर ही नष्ट कर दी। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि खार्डी गांव की खाड़ी के पास झाड़ियों और दलदली इलाके में विजय काशीनाथ तागडी नामक व्यक्ति अवैध रूप से गांवठी शराब तैयार कर रहा है। सूचना के आधार पर स्थानीय अपराध शाखा की टीम ने कार्रवाई की योजना बनाई। भट्टी तक पहुंचने के लिए कोई सीधा रास्ता न होने के कारण पुलिस कर्मियों को खाड़ी का कीचड़ और पानी पार कर जान जोखिम में डालते हुए मौके तक पहुंचना पड़ा। पुलिस की दबिश की भनक लगते ही आरोपी विजय तागडी घनी झाड़ियों का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। छापेमारी के दौरान पुलिस को कुल 46 प्लास्टिक ड्रम बरामद हुए, जिनमें गुड़ और नवसादर मिश्रित करीब 9,200 लीटर कच्चा माल भरा हुआ था। इसके अलावा प्रत्येक ड्रम से करीब 35 लीटर तैयार कच्ची शराब भी मिली। पुलिस ने बरामद किए गए पूरे कच्चे माल और शराब को जब्त कर मौके पर ही नष्ट कर दिया। फरार आरोपी के खिलाफ महाराष्ट्र शराबबंदी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। भिवंडी तालुका पुलिस आगे की जांच कर रही है और आरोपी की तलाश जारी है।

भिवंडी में 153 मतदान केंद्र संवेदनशील घोषित...

शांतिनगर थाना क्षेत्र में सबसे अधिक 58 केंद्र, पुलिस की कड़ी नजर

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

चुनाव के दौरान संवेदनशील माने जाने वाले भिवंडी शहर में सुरक्षा के लिहाज से पुलिस प्रशासन ने विशेष तैयारी शुरू कर दी है। शहर के कुल 718 मतदान केंद्रों में से 153 मतदान केंद्रों को संवेदनशील घोषित किया गया है। यह संख्या कुल मतदान केंद्रों का लगभग 21 प्रतिशत है। इनमें सबसे अधिक 58 संवेदनशील मतदान केंद्र शांतिनगर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। भिवंडी में हर चुनाव के दौरान मारपीट, डराने-धमकाने और दहशत फैलाने की घटनाएं सामने आती रही हैं। इसी पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए पुलिस विभाग ने कुछ विशेष इमारतों और उनमें स्थित मतदान केंद्रों को 'संवेदनशील' की श्रेणी में रखा है। इन केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ कड़ी निगरानी रखी जाएगी। पुलिस प्रशासन के अनुसार, शहर में कुल 173 इमारतों में मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इनमें से 146 इमारतों में स्थित 565 मतदान केंद्र सामान्य श्रेणी में हैं, जबकि 27 इमारतों में मौजूद 153 मतदान केंद्रों को संवेदनशील घोषित किया गया है। संवेदनशील घोषित किए गए प्रमुख इलाकों में आईटीआई बिल्डिंग (ईदगाह), हंडी कंपाउंड, आजमी नगर, टावरे कंपाउंड, समद नगर, नई बस्ती, प्रभाग क्रमांक तीन की बिल्डिंग, शास्त्रीनगर, भाग्य नगर, संगम पाड़ा, कोंबडपाड़ा, म्हाडा कॉलोनी, बंदर मोहल्ला और भंडारी कंपाउंड शामिल हैं।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इन सभी इलाकों में चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए विशेष बंदोबस्त किए जाएंगे। संवेदनशील केंद्रों पर अतिरिक्त फोर्स, गश्त और निगरानी बढ़ाई जाएगी, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

सर्वसाधारण ,संवेदनशील केंद्र व बुथ माहिती

अ.क्र.	पोलीस ठाणे	सर्वसाधारण		संवेदनशील		एकुण	
		केंद्र	बुथ	केंद्र	बुथ	केंद्र	बुथ
१	भोईवाडा	२१	७५	०५	२१	२६	९६
२	भिवंडी शहर	२६	१२१	०६	३९	३२	१६०
३	निजामपुरा	२४	७२	०६	२४	३०	९६
४	शांतीनगर	५१	१९७	०७	५८	५८	२५५
५	नारपोली	२४	१००	०३	११	२७	१११
एकुण		१४६	५६५	२७	१५३	१७३	७१८

अयोध्या राम मंदिर की सुरक्षा में सेंध! नमाज की कोशिश, पकड़े जाने पर लगाए नारे, 3 हिरासत में

अयोध्या में राम जन्मभूमि परिसर में प्रवेश करने और शनिवार को नमाज अदा करने का प्रयास करने के बाद एक चौंकाने वाली घटना और कथित तौर पर सुरक्षा में बड़ी चूक में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया, जिनमें एक युवती भी शामिल थी। इस घटना के बाद परिसर में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई की। अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कश्मीर निवासी होने का दावा करने वाले दो युवकों और एक महिला के इस समूह ने डी1 गेट से राम मंदिर परिसर में प्रवेश किया।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों ने कश्मीरी पोशाक पहनी हुई थी। उनमें से एक की पहचान जम्मू-कश्मीर के शोपियन जिले के निवासी अबू अहमद शेख के रूप में हुई है। महिला की पहचान सोफिया के रूप में हुई है, जबकि तीसरे युवक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों द्वारा रोके जाने पर तीनों ने कथित तौर पर धार्मिक नारे लगाए। अधिकारियों के अनुसार, 55 वर्षीय व्यक्ति शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा वाले मंदिर परिसर में दाखिल हुआ, मंदिर के दर्शन किए और बाद में सीता रसोई क्षेत्र के पास बैठ गया, जहां वह कथित तौर पर नमाज पढ़ने की तैयारी कर रहा था।

उसकी हरकतों को देखते ही सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया। मंदिर के सुरक्षा कर्मचारियों ने उस व्यक्ति को हिरासत में ले लिया और बाद में पूछताछ के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। सुरक्षाकर्मियों के हस्तक्षेप के दौरान, शेख ने कथित तौर पर नारे लगाए। पुलिस ने बताया कि जांच और खुफिया एजेंसियां ??उस व्यक्ति से पूछताछ कर रही हैं ताकि उसके मकसद का पता लगाया जा सके। अधिकारी उसकी यात्रा के इतिहास की भी जांच कर रहे हैं, जिसमें अयोध्या आने का उद्देश्य और क्या इस घटना से कोई अन्य व्यक्ति जुड़ा हुआ था, इसकी जानकारी शामिल है।

कश्मीरी व्यक्ति ने कथित तौर पर जांच दल को बताया कि वह राजस्थान के अजमेर जा रहा था। पुलिस को उसके सामान से केवल कुछ सूखे मेवे (काजू और किशमिश) ही मिले हैं। घटना के बाद, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और खुफिया एजेंसियां राम मंदिर परिसर में लागू सुरक्षा उपायों का जायजा ले रही हैं। हालांकि, अभी तक जिला प्रशासन और राम मंदिर ट्रस्ट ने अभी तक इस मामले पर कोई बयान जारी नहीं किया है। ये खबर विभिन्न मीडिया रिपोर्ट के आधार पर तैयार की गई है।

प्रयागराज पहुंचे सीएम योगी, त्रिवेणी संगम में लगाई आस्था की डुबकी, माघ मेला की समीक्षा की

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रयागराज में चल रहे माघ मेले की समीक्षा के लिए अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में तीर्थयात्रियों को डिजिटल मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए माघ मेला सेवा ऐप का भी उद्घाटन किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री शनिवार को माघ मेले की तैयारियों की समीक्षा के लिए प्रयागराज पहुंचे। उनकी यात्रा आध्यात्मिक गतिविधियों से भी भरी रही, क्योंकि उन्होंने त्रिवेणी संगम में स्नान किया।

योगी आदित्यनाथ ने लेते हनुमान जी मंदिर में भी पूजा-अर्चना की और मंदिर परिसर में गायों को चारा खिलाया। योगी आदित्यनाथ ने रामानंदाचार्य की 726वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में भी भाग लिया, जहां उन्होंने सभी समुदायों के बीच एकता का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 700 वर्ष पूर्व, जगद्गुरु रामानंदाचार्य भगवान ने सभी समुदायों में एकता का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि प्रत्येक व्यक्ति को ईश्वर की शरण लेने का अधिकार है। उन्होंने समाज को एकजुट करने के लिए विभिन्न जातियों के शिष्यों को अपने साथ लिया।

प्रयागपुर (उत्तर प्रदेश) का माघ मेला, जो पवित्र त्रिवेणी संगम पर आयोजित होता है, जहां गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों का संगम होता है, भारत के सबसे बड़े तीर्थयात्राओं में से एक है। इस तीर्थयात्रा का नाम हिंदू महीने माघ के नाम पर रखा गया है, जो आमतौर पर जनवरी-फरवरी में पड़ता है। प्रयाग माघ मेला 45 दिनों की तीर्थयात्रा है जो पौष पूर्णिमा (पौष महीने की पूर्णिमा) से शुरू होकर महाशिवरात्रि पर समाप्त होती है, और पूरे माघ महीने को कवर करती है।

पौष माह की पूर्णिमा के दिन स्नान (पवित्र स्नान) के साथ मेले का शुभारंभ होता है। मेले के दौरान कुल छह स्नान होते हैं, जैसे पौष पूर्णिमा, मकर संक्रांति (माघ माह का प्रारंभ), शत्तिला एकादशी (माघ माह में कृष्ण पक्ष), मौनी अमावस्या (माघ माह की अमावस्या जब लोग मौन व्रत लेते हैं), बसंत पंचमी (माघ शुक्ल पंचमी, माघ माह में चंद्रमा के बढ़ते चरण का पांचवा दिन), अचल सप्तमी (माघ माह में चंद्रमा के बढ़ते चरण का सातवां दिन, जिसे भगवान सूर्य के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है), जय एकादशी (माघ माह में चंद्रमा के बढ़ते चरण के ग्यारहवें दिन रखा जाने वाला उपवास) और माघ पूर्णिमा (माघ माह की पूर्णिमा)।

कर्नाटक में किसी भी बदलाव का फैसला हाई कमांड करेगी, बोले कांग्रेस नेता केएन राजन्ना

कर्नाटक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के.एन. राजन्ना ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार या पार्टी के भीतर किसी भी संभावित बदलाव का निर्णय पूरी तरह से कांग्रेस हाई कमांड द्वारा लिया जाएगा। बेंगलुरु में एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'अगर कर्नाटक में सरकार और पार्टी में किसी भी तरह के बदलाव की उम्मीद है, तो पार्टी हाई कमांड ही इसका फैसला करेगी। मैं कैबिनेट में रहूं या न रहूं, मैं हमेशा पार्टी कार्यकर्ता रहूंगा। भाजपा की तरह कांग्रेस में सत्ता के लिए कोई संघर्ष नहीं है।

कर्नाटक सरकार में संभावित फेरबदल को लेकर चल रही राजनीतिक चर्चाओं के बीच उनकी ये टिप्पणी आई है, जिसमें कांग्रेस नेता पार्टी के भीतर एकता और अनुशासन पर जोर दे रहे हैं। इससे पहले, कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने गुरुवार को कहा था कि राज्य के मुख्यमंत्री पद को लेकर कोई भी फैसला पूरी तरह से कांग्रेस हाई कमांड के हाथ में है, जबकि अटकलें और पार्टी के आंतरिक समीकरण संभावित नेतृत्व परिवर्तन को लेकर बहस को हवा दे रहे हैं। बेंगलुरु में मीडिया से बात करते हुए परमेश्वर ने स्पष्ट किया कि उन्होंने न तो कोई समूह बनाया है और न ही अपने समर्थकों को कोई निर्देश जारी किए हैं जो उन्हें अगला मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मेरी कोई 'टीम' नहीं है। कुछ लोग, दोस्त या शुभचिंतक, अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं। यहां तक कि जब मैं जिलों का दौरा करता हूं, तब भी कुछ लोग ऐसी बातें कहते हैं। यह उनका स्वार्थ है, लेकिन अंततः उच्च कमान ही फैसला करेगी।

गृह मंत्री की ये टिप्पणियां कर्नाटक कांग्रेस के भीतर कथित तौर पर चल रहे सत्ता संघर्ष के बीच आई हैं, जिसमें सरकार के आधे कार्यकाल तक पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री पद एक विवादास्पद मुद्दा बन गया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और गृह मंत्री जी परमेश्वर को इस राजनीतिक उथल-पुथल में प्रमुख व्यक्ति माना जा रहा है। इससे पहले, कर्नाटक के मंत्री एमबी पाटिल ने गुरुवार को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के कार्यकाल को लेकर चल रही चर्चा पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पार्टी का उच्च कमान राज्य के नेतृत्व का भविष्य तय कर सकता है। मंत्री एमबी पाटिल ने पूर्णकालिक मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'हमारी पार्टी में उच्च कमान सर्वोपरि है।

चोरी की दो वारदातें, लाखों के सोने-चांदी के आभूषण उड़ाए.

अज्ञात चोरों के खिलाफ दो थानों में केस दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

भिवंडी। शहर में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। अलग-अलग इलाकों में हुई दो वारदातों में अज्ञात चोरों ने सोने-चांदी के कीमती आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया। दोनों मामलों में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पहली घटना कामतघर इलाके के काशीनगर की है। यहां 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला राजेश्वरी राजेशाम सिलवेरी अपने घर के दरवाजे के पास खड़ी थीं। इसी दौरान पीछे से आए एक अज्ञात व्यक्ति ने मौका देखकर बड़ी चालाकी से उनके गले से करीब 30 ग्राम वजनी सोने का मंगलसूत्र झपट लिया और मौके से फरार हो गया। इस झपटमारी की घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। पीड़िता की शिकायत पर शहर पुलिस स्टेशन में अज्ञात लुटेरे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।दूसरी वारदात काल्हेर पाइपलाइन इलाके में सामने आई है। यहां रहने वाले अमोल सुभाष महिद (34) किसी काम से घर से बाहर गए हुए थे। इसी का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने उनके घर के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर भीतर प्रवेश किया। चोरों ने बेडरूम में रखी लकड़ी की अलमारी से करीब 1 लाख 22 हजार 400 रुपये मूल्य के सोने और चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। इस मामले में नारपोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस दोनों ही घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और अन्य तकनीकी व स्थानीय सुरागों के आधार पर अज्ञात चोरों की तलाश में जुटी हुई है।

गीजर से गैस लीक होने के कारण दम घुटने से चार वर्षीय बच्चे की मौत, भाई की हालत गंभीर

बदायूं। बदायूं जिले के कोतवाली सदर क्षेत्र के एक मोहल्ले में शुक्रवार को गीजर से संदिग्ध रूप से गैस लीक होने के कारण दम घुटने से चार साल के एक बच्चे की मौत हो गई और उसके 11 साल वर्षीय भाई को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि शहर के मोहल्ला शहवाजपुर में बरेली रोड पर राय साहब की धर्मशाला के बाहरी इलाके में मोहम्मद सलीम का कारखाना है और वह अपने परिवार के साथ उसके ऊपर रहता है।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे उसके बेटे अयान (11) और रयान (चार) स्नानगृह में नहाने गए थे जिसमें गैस गीजर लगा है। उसने बताया कि दोनों ने नहाने के लिए दरवाजा बंद कर लिया और जब काफी देर तक बच्चे बाहर नहीं निकले तो सलीम की पत्नी रुखसार ने दरवाजा खटखटाया लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आई। पुलिस ने बताया कि इसके बाद रुखसार चीखने लगी तो सलीम भी वहां आ गया और शोर सुनकर अन्य लोग भी एकत्र हो गए। उसने बताया कि लोगों ने मिलकर दरवाजे को तोड़ा तो अंदर दोनों बच्चे बेहोश मिले।

पुलिस ने बताया कि दोनों को जिला अस्पताल ले जाया गया लेकिन रेयान ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया जबकि अयान की गंभीर हालत को देखते हुए उसे बरेली ले जाया गया। कोतवाली सदर के प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह ने बताया कि गैस गीजर से दम घुटने के कारण चार साल के बच्चे की मौत हो गई।

मुंबई अग्निकांडः गोरेगांव की इमारत में आग लगने से हड़कंप, एक ही परिवार के 3 लोगों की जलकर मौत

मुंबई। आर्थिक राजधानी मुंबई के गोरेगांव उपनगर से एक दुखद खबर सामने आई है। शनिवार तड़के भगत सिंह नगर इलाके में स्थित एक आवासीय इमारत में भीषण आग लगने से एक ही परिवार के तीन लोगों की जान चली गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह एक मंजिला इमारत राजाराम लेन में स्थित है।

इमारत में आग लगने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत

मुंबई अग्निशमन विभाग को तड़के तीन बजकर छह मिनट पर आग लगने की सूचना मिली। अधिकारियों ने बताया कि आग भूतल और पहली मंजिल पर बिजली के तार और घरेलू सामान तक ही सीमित थी। दमकलकर्मियों के पहुंचने से पहले स्थानीय लोगों ने बाल्टियों से पानी डालकर आग बुझाई। मौके पर पहुंचने पर दमकलकर्मियों ने बिजली की आपूर्ति काट दी। अधिकारियों ने बताया कि परिवार के तीनों सदस्यों को ट्रॉमा केयर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

शॉर्ट सर्किट की आशंका

शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, क्योंकि आग बिजली के तारों से शुरू होकर घरेलू सामान तक फैली थी। हालांकि, दमकल विभाग और स्थानीय पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है ताकि सटीक कारणों का पता लगाया जा सके।

एक अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान हर्षदा पावस्कर (19), कुशल पावस्कर (12) और संजोग पावस्कर (48) के रूप में हुई है। आग लगने का कारण अब तक पता नहीं चल पाया है।

मनोरंजन

कृति सेनन की बहन की शादी में जुटेंगे सितारे, बी प्राक से मौनी तक; उदयपुर पहुंचे सेलेब्स

मुंबई। नूपुर सेनन और स्टेबिन बेन की शाही शादी उदयपुर में होगी। विवाह पूर्व के कार्यक्रम शुरू हो चुके हैं। आज शनिवार से सेनन परिवार की खुशियों में शामिल होने के लिए मेहमानों के पहुंचने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। इंडस्ट्री के कई चर्चित सितारे भी इस रॉयल वेडिंग में शिरकत करेंगे। जानिए कौन-कौन उदयपुर पहुंच चुका है?

बी प्राक पहुंचे उदयपुर

मशहूर सिंगर बी प्राक को हाल ही में उदयपुर में एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया है। कथित तौर पर वे नूपुर और स्टेबिन की शादी में शिरकत करने के लिए वहां पहुंचे हैं।

दिशा पाटनी और मौनी रॉय भी पहुंचीं

बी प्राक के अलावा नूपुर सेनन और स्टेबिन की शादी में मौनी रॉय व दिशा पाटनी भी पहुंची हैं। उन्हें उदयपुर एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया है। दिशा येलो कलर की शर्ट में स्टाइलिश लुक में नजर आईं। वहीं, मौनी रॉय ब्लैक पैंट और ब्लू कलर के ब्लेजर में स्टाइलिश लुक में दिख रही हैं।

संगीत में कृति सेनन ने किया डांस

कृति सेनन की बहन नूपुर के विवाह पूर्व के कार्यक्रमों के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इनमें कृति सेनन डांस करती दिख रही हैं। उन्होंने 'मुड़ के ना देखो दिलबरो' गाने पर परफॉर्म किया। इस दौरान कृति और नूपुर की मां काफी इमोशनल नजर आईं।

सागर भाटिया भी पहुंचे

कव्वाली गायक और संगीतकार सागर भाटिया भी नूपुर सेनन की शादी में पहुंचे हैं। उन्होंने एयरपोर्ट पर पैपराजी से बात करते हुए कहा, 'मैं यहां सिर्फ नूपुर के लिए आया हूं। 12 घंटे की फ्लाइट लेकर पहुंचा हूं'।

बिना कपड़ों के पेड़ पर चढ़ते दिखे विद्युत जामवाल, वायरल हुआ वीडियो; यूजर्स बोले- 'टार्जन भी पत्ते...'

मुंबई। अभिनेता विद्युत जामवाल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसे खुद उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा किया है। वीडियो में एक्टर का अंदाज देख फैंस हैरान रह गए हैं। दरअसल, वे बिना कपड़ों के नजर आ रहे हैं और पेड़ पर चढ़ रहे हैं। इसके अलावा कड़ाके की सर्दी में बर्फ से ढके हैं।

खतरनाक एक्शन करते दिखे

बॉलीवुड के मार्शल कलाकार और स्टंटमैन विद्युत जामवाल अपने सोशल मीडिया पोस्ट से अक्सर फैंस को चौंका देते हैं। एक बार फिर उन्होंने कुछ ऐसा किया है। वे न सिर्फ पर्दे पर हैरतअंगेज एक्शन करते हैं, बल्कि रियल लाइफ में भी उनका यह अभ्यास जारी रहता है। अपने हालिया वीडियो में एक्टर खतरनाक स्टंट करते दिख रहे हैं। इसके अलावा बर्फ से ढके हुए हैं। वहीं, वे पेड़ पर भी चढ़ते दिख रहे हैं, मगर इस दौरान उन्होंने बिल्कुल कपड़े

नहीं पहने हुए।

साल में एक बार करते हैं सहज योग अभ्यास

अभिनेता ने वीडियो शेयर करते हुए ईविल आई (नजर ना लगने वाला इमोजी) लगाया है। इसके साथ उन्होंने लिखा है, ' कलारीपयट्टू अभ्यास किया। मैं साल में एक बार सहज योग का अभ्यास करता हूं। सहज का मतलब है प्राकृतिक सहजता और सहज प्रवृत्ति की स्थिति में लौटना, जिससे प्रकृति और अंदरूनी जागरूकता से गहरा जुड़ाव बनता है। वैज्ञानिक रूप से यह कई न्यूरोरिसेप्टर्स और प्रोप्रियोसेप्टर्स को एक्टिवेट करता है, जिससे सेंसरी फीडबैक बेहतर होता है और बैलेंस और कोऑर्डिनेशन में सुधार होता है। इससे शरीर के बारे में ज्यादा जागरूकता, मेंटल फोकस बढ़ता है और जमीन से जुड़ाव का गहरा एहसास होता है'।

नेटिजन्स ने दिया कैसा रिएक्शन?

विद्युत के इस पोस्ट पर नेटिजन्स के कमेंट्स आ रहे हैं। अधिकांश लोग उनकी तारीफ कर रहे हैं। कुछ यूजर्स उन्हें प्रेरणास्रोत बता रहे हैं। वहीं कुछ उनके समर्पण और फिटनेस को सलाम कर रहे हैं। कुछ नेटिजन्स एक्टर की आलोचना भी कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'टार्जन भी पत्ते पहनता था, लेकिन सर आप तो महान हो'। एक यूजर ने लिखा है, 'अरे सर इतना डीप भी नहीं जाना था'।

गुजरात जाएंट्स का जीत से आगाज, गार्डनर-अनुष्का के बाद रेणुका-डिवाइन और वेयरहैम ने बिखेरी चमक

नवी मुंबई।गुजरात जाएंट्स ने महिला प्रीमियर लीग में जीत के साथ शुरुआत की है। शनिवार को नवी मुंबई में यूपी वॉरियर्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में टीम ने 10 रन से शानदार जीत दर्ज की। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए एश्ले गार्डनर और अनुष्का शर्मा की शतकीय साझेदारी की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 207 रन बनाए थे। जवाब में यूपी वॉरियर्स की टीम निर्धारित ओवरों में आठ विकेट खोकर 197 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई।

यूपी वॉरियर्स की पारी

208 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूपी वॉरियर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और ओपनर किरण नवगिरे पांचवीं गेंद पर रेणुका सिंह का शिकार बन गईं। इसके बाद कप्तान मेग लैनिंग और फीबी लिचफील्ड ने पारी को संभालते हुए दूसरे विकेट के लिए 70 रन की साझेदारी की। हालांकि, इसके बाद यूपी की पारी लड़खड़ा गई। लैनिंग (30), हरलीन देओल (0) और दीप्ति शर्मा (1) सिर्फ एक रन के भीतर आउट हो गईं और टीम ने पांच गेंदों में तीन अहम विकेट गंवा दिए। नौ ओवर में 73/1 से टीम 10वें ओवर में 74/4 पर सिमट गई।

इसके बाद फीबी लिचफील्ड ने श्वेता सहरावत के साथ 69 रन की साझेदारी कर टीम को मुकाबले में बनाए रखा। लिचफील्ड ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 40 गेंदों में 78 रन बनाए, जिसमें आठ चौके और पांच छक्के शामिल थे। लेकिन 16वें ओवर में उनके आउट होते ही यूपी की उम्मीदें लगभग खत्म हो गईं। अंत में आशा शोभना ने 10 गेंदों में नाबाद 27 रन बनाकर संघर्ष जरूर किया, लेकिन टीम निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 197 रन ही बना सकी और 10 रन से मुकाबला हार गई। गुजरात की ओर से जॉर्जिया वेयरहैम, रेणुका सिंह और सोफी डिवाइन ने अहम विकेट चटकाए।

गुजरात जाएंट्स की पारी

पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात जाएंट्स की शुरुआत आक्रामक रही। ओपनर सोफी डिवाइन ने 38 रन बनाकर तेज शुरुआत दिलाई, लेकिन उनके आउट होने के बाद कप्तान एश्ले गार्डनर ने मोर्चा संभाला। गार्डनर ने अनुष्का शर्मा के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 103 रन की शानदार साझेदारी की और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। गार्डनर ने 41 गेंदों में 65 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें छह चौके और तीन छक्के शामिल थे। वहीं, अनुष्का शर्मा ने 30 गेंदों में 44 रन बनाए। गार्डनर के 18वें ओवर में आउट होने के बाद जॉर्जिया वेयरहैम ने अंत में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की।

वेयरहैम ने सिर्फ 10 गेंदों में नाबाद 27 रन बनाए, जिसमें एक चौका और तीन छक्के शामिल थे। उनके साथ भारती फुलमाली ने भी उपयोगी योगदान देते हुए सात गेंदों में नाबाद 14 रन बनाए। इस तरह गुजरात जाएंट्स ने 20 ओवर में चार विकेट पर 207 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। यूपी वॉरियर्स की ओर से सोफी एक्लेस्टोन ने सबसे सफल गेंदबाजी करते हुए दो विकेट लिए।

युवा ऑलराउंडर श्वेता सहरावत की प्रगति से प्रभावित हैं शिखर धवन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कहा कि श्वेता सहरावत ने एक खिलाड़ी और एक नेतृत्वकर्ता के रूप में उल्लेखनीय प्रगति की है और उन्हें उम्मीद है कि यह युवा ऑलराउंडर महिला प्रीमियर लीग में (डब्ल्यूपीएल) नई ऊंचाई पर पहुंचने में सफल रहेगी।

महिला प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में यूपी वॉरियर्स का प्रतिनिधित्व कर रही सहरावत ने अपने खेल में लगातार सुधार किया है। उन्होंने डब्ल्यूपीएल की 2024 के सत्र में 108 और 2025 में 119 रन बनाए थे।

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) की फ्रेंचाइजी साउथ दिल्ली सुपरस्टारज़ के सह-मालिक धवन ने एक विज्ञप्ति में कहा, " श्वेता ने एक खिलाड़ी और नेतृत्वकर्ता के रूप में उल्लेखनीय प्रगति की है। उनकी अगुवाई में साउथ दिल्ली सुपरस्टारज़ ने डीपीएल का खिताब जीता जिससे पता चलता है कि वह दबाव में भी अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम है।"

उन्होंने कहा, "हम यूपी वॉरियर्स के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं और आशा करते हैं कि वह इस विजयी मानसिकता को बरकरार रखते हुए डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी भी जीतेगी।" श्वेता ने 2025 में दिल्ली प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन किया। उनकी कप्तानी में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ ने खिताब जीता। उन्होंने फाइनल में 110 रन की मैच विजेता पारी खेली जो इस प्रतियोगिता में उनका सर्वोच्च स्कोर था।

टी20 विश्व कप 2026 से बाहर होने पर शुभमन गिल का दर्द, बोले- 'किस्मत पर भरोसा', टीम इंडिया को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। भारतीय वनडे कप्तान शुभमन गिल ने टी20 विश्व कप 2026 में टीम से बाहर किए जाने पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। गौतम गंभीर के कोच बनने के बाद से टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम के उप-कप्तान रहे गिल को वैश्विक टूर्नामेंट के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिली। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गिल ने चयनकर्ताओं के इस फैसले को स्वीकार करते हुए कहा कि उन्हें अपने भाग्य पर भरोसा है और वे अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी तरह आश्वस्त हैं।

शुभमन गिल ने भारत बनाम न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से पहले कहा कि सबसे पहले, मेरा मानना है कि मैं अपने जीवन में वहीं हूँ जहाँ मुझे होना चाहिए। मेरी किस्मत में जो लिखा है, वो मुझे मिलेगा। एक खिलाड़ी के तौर पर मैं अपनी टीम को जीत दिलाना चाहता हूँ, लेकिन साथ ही मैं चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करता हूँ। मैं टी20 टीम को शुभकामनाएं देता हूँ। मुझे उम्मीद है कि वे विश्व कप जीतेंगे। पिछले साल एशिया कप से ठीक पहले शुभमन को टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में खेलने का मौका दिया गया था। भारतीय प्रबंधन को उम्मीद थी कि यह बहुमुखी बल्लेबाज आक्रामक बल्लेबाजी पंक्ति के साथ खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन करेगा। गिल ने संजू सैमसन की जगह ली, जिन्होंने पिछले 12 महीनों में 3 टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए थे। गिल ने सैमसन की जगह शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी की और अपने करीबी दोस्त अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत की। यह कदम उल्टा पड़ गया और भारत को अपनी उस सहज और आक्रामक बल्लेबाजी से जूझना पड़ा, जो गौतम गंभीर की कप्तानी में उसकी पहचान बन चुकी थी। अंततः, टी20 विश्व कप से ठीक पहले गिल के प्रयोग को समाप्त कर दिया गया, क्योंकि चयनकर्ता इस बात पर अड़े थे कि सैमसन को बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष पर वापस लाना आवश्यक है।

रोहित शर्मा ने दिए सिराज को बल्लेबाजी के टिप्स, पंत को लगी चोट

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपनी बल्लेबाजी में सुधार करके वनडे टीम में अपनी जगह पक्की करने के इरादे से न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाली वनडे श्रृंखला से पहले शनिवार को यहां पूर्व कप्तान रोहित शर्मा से बल्लेबाजी के टिप्स लिए जबकि ऋषभ पंत को अभ्यास सत्र के दौरान चोट लगने के बाद थोड़ी देर के लिए उपचार लेने की जरूरत पड़ी।

रोहित तब नेट के बाहर इंतजार कर रहे थे जब जल्दी बल्लेबाजी करने के लिए उतरे सिराज गेंद को जोर से मारने की कोशिश में चूक गए। भारतीय सलामी बल्लेबाज ने फिर तेज गेंदबाज को कुछ टिप्स दिए। सिराज ने भारत के वैकल्पिक अभ्यास सत्र के दौरान केवल बल्लेबाजी का अभ्यास किया।

भारतीय टीम के कई अन्य सदस्यों ने भी अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। विजय हजारे ट्रॉफी में गुरुवार को पंजाब के खिलाफ मुंबई की एक रन से करीबी हार में कप्तानी करने वाले भारतीय उप-कप्तान श्रेयस अय्यर ने केएल राहुल के साथ बल्लेबाजी का अभ्यास किया, जबकि पंत और रविंद्र जडेजा ने भी नेट पर पर्याप्त समय बिताया।

सिराज, अय्यर और पंत अपने अपने राज्यों की टीम से विजय हजारे ट्रॉफी में हिस्सा लेकर यहां पहुंचे हैं। उन्होंने 50 ओवर के इस टूर्नामेंट में अपना अंतिम मैच आठ जनवरी को खेला था।

हालांकि पंत भारतीय थ्रोडाउन विशेषज्ञों के खिलाफ बल्लेबाजी करते समय कमर के ठीक ऊपर चोट लगने से दर्द से कराह उठे और टीम

के सहायक कर्मचारियों और मुख्य कोच गौतम गंभीर सहित अन्य सदस्य तुरंत ही उनका हाल-चाल जानने के लिए उनके पास पहुंच गए। प्रारंभिक उपचार के बाद पंत बीसीए स्टेडियम के ग्राउंड बी मैदान से बाहर चले गए, जहां भारतीय कप्तान शुभमन गिल को चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर के साथ लंबी बातचीत करते हुए देखा गया।भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन वनडे मैचों की श्रृंखला का पहला मैच रविवार को यहां बड़ौदा क्रिकेट संघ स्टेडियम में खेला जाएगा। दूसरा वनडे 14 जनवरी को राजकोट और तीसरा वनडे 18 जनवरी को इंदौर में खेला जाएगा।

मध्य रेल
सोलापुर मण्डल
वाणिज्यिक कार्य

Notification No. : GEM/2025/B/6919710 Dt- 09.01.2026, DRM(C) ऑफिस सोलापुर डिवीजन, सोलापुर, लातूर और पंढरपुर गुड्स शेड की सफाई के कॉन्ट्रैक्ट के लिए टू पैकेट सिस्टम के जरिए ओपन ई–टेंडर आमंत्रित करता है। a. टेंडर शीर्षक: **सोलापुर डिवीजन के सोलापुर** (SUR), **लातूर** (LUR) **और पंढरपुर** (PVR) **गुड्स शेड में 02 साल की अवधि के लिए गतिविधि के आधार पर हाउसकीपिंग और सफाई कॉन्ट्रैक्ट के लिए टेंडर। b. अनुबंध अवधि** : 2 **साल, c. अनुमानित बोली मूल्य:** ₹ 1,05,47,443.59 **d. ईएमडी:** ₹ 2,02,740 **e.** टेंडर बंद करने की तिथि और समय: 30.01.2026 (**17:00** Hrs.) **f. टेंडर दस्तावेज विवरण : टेंडर डॉक्यूमेंट और पूरी जानकारी** Ge.M **पोर्टल पर उपलब्ध है। किसी भी प्रश्न के मामले में संपर्क कर सकते हैं** : Sr. DCM office, DRM Office, Solapur. Contact No. : 0217-72312207, 6386427873, E-MAIL: srdcm@railnet.gov.in. ANJ-12

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

मध्य रेल
सोलापुर मण्डल
विद्युत कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, सामान्य, मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा क्रं.:–** सोला/वि/नि/2025/25, **कार्य का नामः**– "सोलापुर मंडल के अंतर्गत ADEN/W/SUR एवं ADEN/LUR के अधिकार क्षेत्र में **SUR** (**टाइप–III**–04 इकाइयाँ एवं टाइप–**IV**– 02 इकाइयाँ), **PJR** (टाइप–**II**–04 इकाइयाँ) तथा **YSI** (टाइप–**II** – 02 इकाइयाँ) में पुराने क्वार्टरों के स्थान पर नए क्वार्टरों के निर्माण से संबंधित विद्युत सामान्य सेवा कार्य का भाग।" **कार्य की लागत** : ₹. **27,38,492.26**/–, **बोली प्रतिभूतिः** ₹ **54,800**/– कार्य पुरा करने की अवधि – 12 माह निविदा प्रस्ताव की वैधताः– 60 दिन, **निविदा क्रं.:– सोला/वि/नि/2025/27** कार्य का नामः– **"ADEN/KWV** (**BG**) उप–मंडल के अंतर्गत **KWV** (टाइप–III–04 इकाइयाँ) एवं MLM (टाइप–II–04 इकाइयाँ) में पुराने क्वार्टरों के स्थान पर नए क्वार्टरों के निर्माण से संबंधित विद्युत सामान्य सेवा कार्य। **कार्य की लागत ₹17,05,254.35/–, बोली प्रतिभूतिः**– ₹ **34,800**/–, **कार्य पुरा करने की अवधि** – 12 माह, **निविदा प्रस्ताव की वैधताः**– 60 दिन, **निविदा क्रं.:– सोला/वि/नि/2025/28-, कार्य का नामः** "सोलापुर मंडल के अंतर्गत **ADEN/LUR** के अधिकार क्षेत्र में **LUR** (टाइप–**III**–04 इकाइयाँ), **OSA** (टाइप–**II**–04 इकाइयाँ) एवं **DKY** (टाइप–**II**–02 इकाइयाँ) में नए क्वार्टरों के निर्माण से संबंधित विद्युत सामान्य सेवा कार्य का भाग। **कार्य की लागत** : **₹1903142.20**/–, **बोली प्रतिभूतिः**– **₹38,100/–, कार्य पुरा करने की अवधि** : 12 माह, **निविदा प्रस्ताव की वैधताः**– 60 दिन ANJ-09

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
विद्युत एवं निर्माण कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि), मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा क्रं.:–** सोला/क.वि./नि/2025/18 **कार्य का नामः** निम्नलिखित के संबंध में विदयुत टीआरडी का कार्य, 1) दौंड–मोहोल खंड में 26 पुलों की बैरल लंबाई का विस्तार और 9 पुलों (स्लैब 05, आरसीसी पाइप 02 और आर्क 02) का पुनर्निर्माण। 2) सोलापुर डिवीजन के दौंड–सोलापुर खंड में महत्वपूर्ण पुल संख्या 431/1 (किमी 431/5 – 8 अप और डाउन) और पुल संख्या 315/1 (किमी 315/0–2) के एप्रोच पर जियो सेल, जियो टेक्सटाइल और ब्लैंकेटिंग सामग्री का उपयोग करके ट्रांजिशन सिस्टम बिछाना का कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत** : रू. 73,65,625.41/– **बयाना राशिः**– रू 1,47,300/–**कार्य पुरा करने की अवधि** 12 माह। **निविदा प्रस्ताव की वैधताः** 60 दिन। **वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि और समयः** दि. 04/02/2026 को 15.00 बजे। ANJ-03

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

मध्य रेल
ई-निविदा सूचना

ई–टेंडर निविदा क्र :– **04–2026–TEO-BTBR dt: 02.01.2026 कार्य का नामः**– नागपुर मंडल के तीगांव और बुटीबोरी स्टेशन पर लूप लाइनों के विस्तार के प्रावधान के लिए सिग्नलिंग संबंधी कार्य। **अनुमानित लागतः**– Rs. 31919420.01/– **बयाना रकमः**– Rs. 309600/– **निविदा बंद करने की तिथि तथा समयः** 26.01.2026 को 15.00 बजे तक है। विस्तृत जानकारी रेल्वे वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे।

DSTE(South) Nagpur
ANJ/08/08

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल
रखरखाव मुक्त अर्थिंग और सहायक कार्य का प्रावधान
निविदा आमंत्रित करती सूचना
EL/50/1/19(25-26) Dt.07/01/2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/पावर), पश्चिम रेलवे, वडोदरा मंडल अनुभवी एवं विश्वसनीय संविदाकारों से निम्नानुसार कार्य के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर ई–निविदाएं आमंत्रित करते है। **क्रम सं.1:** निविदा सं. BRC–EL–P–18–2475–25–26–R. **कार्य का नामः** वडोदरा मंडल :– विभिन्न स्टेशन अंतर्गत मौजुदा पुराने G.I. पाइप अर्थिंग के स्थान पर रखरखाव मुक्त अर्थिंग और सहायक कार्य का प्रावधान । **अनुमानित लागत (रु.):** ₹ 5,51,41,314.00, **ईएमडी (रु.):** ₹ 4,25,700.00 **निविदा शुल्क (रु.):** शून्य, **ई–निविदा बंद करने की तारीखः** 06/02/2026, **वेबसाईट का विवरणः** www.ireps.gov.in **कार्यालय का पताः** वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर (पावर) वडोदरा, पश्चिम रेलवे, वडोदरा–390004. BRC-316

हमें फॉलो करें: DRMBRCWR • drm_vadodara

द. अफ्रीका के बाद स्कॉटलैंड के खिलाफ भी गरजे वैभव, 190+ के स्ट्राइक रेट से की बल्लेबाजी

बुलावायो। अंडर-19 विश्व कप की शुरुआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। भारतीय अंडर-19 टीम आज स्कॉटलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच खेल रही है। बुलावायो में खेले जा रहे इस मुकाबले में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने धमाकेदार प्रदर्शन किया। बता दें कि, स्कॉटलैंड अंडर-19 टीम के कप्तान थॉमस नाइट ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है।

190+ के स्ट्राइक रेट से गरजा वैभव का बल्ला

इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने 50 गेंदों का सामना किया और 96 रनों की धुआंधार पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से नौ चौके और सात गगनचुंबी छक्के निकले। वहीं, उनका

स्ट्राइक रेट 192.00 का रहा। हालांकि, वह शतक पूरा करने से सिर्फ चार रन से चूक गए। इससे पहले, वैभव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी यूथ वनडे में 127 रनों की धमाकेदार पारी खेली थी।

वैभव ने हासिल की थी बड़ी उपलब्धि

दक्षिण अफ्रीका की धरती पर अपने पहले शतक के साथ वैभव ने बड़ी उपलब्धि हासिल की थी। 14 वर्षीय वैभव पांच अलग-अलग देशों में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए। इससे पहले उन्होंने भारत, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में शतकीय पारी खेली थी। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को तीन यूथ वनडे मैचों की सीरीज में 3-0 से हराया था।

अंडर-19 विश्व कप से पहले भारत की दमदार तैयारी

अंडर-19 विश्व कप से पहले भारतीय टीम शानदार फॉर्म में नजर आ रही है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3-0 से क्लीन स्वीप इस बात का सबूत है। अंडर-19 विश्व कप का आयोजन 15 जनवरी से छह फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में होगा। 16 टीमों का चार ग्रुप में बांटा गया है। पांच बार की अंडर-19 विश्व कप विजेता भारतीय टीम को ग्रुप बी में न्यूजीलैंड, अमेरिका और बांग्लादेश के साथ शामिल किया गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 15 जनवरी से अमेरिका के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इसके बाद टीम का सामना 17 जनवरी को बांग्लादेश और 24 जनवरी को न्यूजीलैंड से होगा। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला हरारे में खेला जाएगा।

चुनावी महासफर

MAHARASHTRA LEGISLATIVE ASSEMBLY ELECTION

वार्ड क्रमांक 39 : विकास, सुरक्षा और संवेदनशील प्रशासन की ओर निर्णायक कदम

भाजपा-महायुति उम्मीदवार : विनया विष्णु सावंत

दिव्यांश

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2026 के परिप्रेक्ष्य में वार्ड क्रमांक 39 इस बार केवल एक जनप्रतिनिधि के चयन का नहीं, बल्कि एक सशक्त, सुव्यवस्थित और जनकेंद्रित प्रशासन को चुनने का अवसर बनकर सामने आया है। महानगर की तेज़ी से बदलती आवश्यकताओं, नागरिक समस्याओं और विकास की नई चुनौतियों के बीच भाजपा-महायुति की अधिकृत उम्मीदवार विनया विष्णु सावंत ने वार्ड के सर्वांगीण विकास का स्पष्ट, व्यावहारिक और संवेदनशील रोडमैप जनता के समक्ष रखा है।

विनया विष्णु सावंत का मानना है कि नगरसेवक का पद केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं, बल्कि जनता के दैनिक जीवन से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने का माध्यम होना चाहिए। इसी सोच के साथ उन्होंने विकास, सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और सामाजिक कल्याण को अपने विज़न का केंद्र बनाया है।

स्वच्छता और स्वास्थ्य : सशक्त वार्ड की बुनियाद

विनया विष्णु सावंत के अनुसार स्वच्छता और स्वास्थ्य किसी भी विकसित समाज की आधारशिला होते हैं। वार्ड में नियमित सफाई व्यवस्था, आधुनिक कचरा प्रबंधन प्रणाली, सार्वजनिक शौचालयों का उन्नयन और स्वच्छता कर्मियों के लिए बेहतर संसाधनों की व्यवस्था उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

इसके साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सुदृढ़ करना, नियमित स्वास्थ्य जांच शिविर, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तथा निवारक चिकित्सा पर विशेष जोर दिया जाएगा, ताकि आम नागरिकों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

आधारभूत सुविधाओं में ठोस और स्थायी सुधार

पानी, सड़क, नालियां, स्ट्रीट लाइट और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं आम नागरिक के जीवन से सीधे जुड़ी होती हैं। विनया विष्णु सावंत ने स्पष्ट किया है कि इन मुद्दों पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

वार्ड में जलापूर्ति व्यवस्था को पारदर्शी और सुचारु बनाया जाएगा, नालियों की नियमित सफाई, सड़कों की मरम्मत और स्ट्रीट लाइट की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, ताकि नागरिकों को रोजमर्रा की परेशानियों से राहत मिल सके।

उद्यान, सार्वजनिक स्थल और पर्यावरण संरक्षण

वार्ड के उद्यानों, मैदानों और सार्वजनिक स्थलों का सौंदर्यीकरण और नियमित रखरखाव कर उन्हें बच्चों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षित एवं उपयोगी बनाया जाएगा।

हरित क्षेत्र बढ़ाने, वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे, जिससे वार्ड को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिल सके।

यातायात, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था

तेज़ी से बढ़ते शहरीकरण के चलते यातायात और पार्किंग की समस्या एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। इसे ध्यान में रखते हुए स्थानीय स्तर पर व्यावहारिक और दीर्घकालिक समाधान लागू किए जाएंगे।

साथ ही, सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त स्ट्रीट लाइट और आधुनिक निगरानी व्यवस्था के माध्यम से वार्ड में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा, ताकि नागरिक स्वयं को हर समय सुरक्षित महसूस कर सकें।

चिकित्सा सुविधाएं, युवा विकास और महिला सशक्तिकरण

स्थानीय चिकित्सा सेवाओं का विस्तार, युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम, खेल सुविधाएं और रोजगारोन्मुख योजनाएं विनया विष्णु सावंत की प्रमुख प्रतिबद्धताओं में शामिल हैं।

महिलाओं के लिए सुरक्षित सार्वजनिक स्थान, सुविधाजनक परिवहन व्यवस्था और स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहन देकर महिला उद्यमिता को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकें।

सार्वजनिक कल्याण और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष पहल

बिजली बिल वृद्धि जैसी जनसमस्याओं पर जनहित में आवाज़ उठाना, सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक पहुंचाना और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सुविधाएं–जैसे स्वास्थ्य सहायता, बैठक स्थल और सेवा केंद्र–उनकी सामाजिक संवेदनशीलता को दर्शाते हैं। विनया विष्णु सावंत का उद्देश्य है कि वार्ड का कोई भी नागरिक स्वयं को उपेक्षित न महसूस करे।

विकास, अपराध नियंत्रण और नशा मुक्ति अभियान

सुनियोजित विकास कार्यों के साथ अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण, अपराध रोकथाम और नशा मुक्ति अभियानों के माध्यम से वार्ड में सकारात्मक और सुरक्षित सामाजिक वातावरण तैयार करने का संकल्प लिया गया है।

युवाओं को नशे से दूर रखकर उन्हें शिक्षा, खेल और रोजगार की मुख्यधारा से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

निष्कर्ष

विनया विष्णु सावंत का नेतृत्व विकास, सुरक्षा और संवेदनशीलता का संतुलित और व्यावहारिक मॉडल प्रस्तुत करता है।

वार्ड क्रमांक 43 के लिए विकास का स्पष्ट रोडमैप

कांग्रेस उम्मीदवार सुदर्शन फूलचंद सोनी का आगामी कार्यकाल का विज़न

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2026 के मद्देनज़र वार्ड क्रमांक 43 से कांग्रेस के अधिकृत उम्मीदवार सुदर्शन फूलचंद सोनी ने अपने आगामी कार्यकाल के लिए विकास का एक स्पष्ट, व्यावहारिक और परिणामोन्मुख विज़न जनता के सामने रखा है। उनके अनुसार यह चुनाव केवल प्रतिनिधि चुनने का नहीं, बल्कि वार्ड के समग्र और टिकाऊ विकास की दिशा तय करने का अवसर है।

सुदर्शन सोनी का कहना है कि वार्ड 43 की सबसे बड़ी आवश्यकता बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण है। आगामी कार्यकाल में वे आंतरिक सड़कों की गुणवत्ता सुधार, नालों की नियमित सफाई, जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान तथा निर्बाध जलापूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। इसके लिए नगर निगम के संबंधित विभागों के साथ समयबद्ध और जवाबदेह कार्ययोजना लागू की जाएगी।

स्वच्छता और स्वास्थ्य पर विशेष जोर

स्वच्छता और सार्वजनिक स्वास्थ्य उनके विज़न का दूसरा मजबूत स्तंभ है। कचरा प्रबंधन प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना, सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति में सुधार, नियमित फॉगिंग तथा स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। सुदर्शन सोनी का मानना है कि

'स्वच्छ वार्ड ही स्वस्थ नागरिकों की मजबूत नींव रखता है।'

महिला, युवा और वरिष्ठ नागरिक–विशेष फोकस

उनके विज़न में महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और युवाओं के लिए विशेष योजनाएँ भी शामिल हैं।

महिला सुरक्षा के लिए स्ट्रीट लाइटिंग, सीसीटीवी और सुरक्षित सार्वजनिक स्थान

वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सहायता व सामाजिक सुविधाएँ

युवाओं के लिए खेल सुविधाएँ, कौशल विकास और रोजगारोन्मुख कार्यक्रम

इन सभी क्षेत्रों में ठोस और ज़मीनी स्तर पर काम करने का संकल्प उन्होंने व्यक्त किया है।

पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन

सुदर्शन फूलचंद सोनी पारदर्शिता और जवाबदेही को अपनी कार्यशैली की पहचान बताते हैं। नियमित जनसुनवाई, वार्ड स्तर पर नागरिक संवाद, और शिकायतों के त्वरित समाधान की व्यवस्था को वे और अधिक मजबूत करना चाहते हैं। उनके अनुसार,

'जनप्रतिनिधि का काम सिर्फ चुनाव जीतना नहीं, बल्कि पूरे कार्यकाल जनता के बीच रहकर काम करना है।'

विकास, सुरक्षा और सहभागिता का भरोसा

समग्र रूप से वार्ड क्रमांक 43 के लिए सुदर्शन सोनी का विज़न विकास, स्वच्छता, सुरक्षा और जनसहभागिता पर आधारित है। उनका विश्वास है कि महायुति के सशक्त नेतृत्व, अपने सामाजिक अनुभव और प्रशासनिक समझ के बल पर वे वार्ड 43 को एक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और नागरिकों के लिए सुविधाजनक आदर्श वार्ड के रूप में विकसित करेंगे।

विशेष साक्षात्कार

वार्ड 37 में अनुभव और विकास की राजनीति

भाजपा महायुति उम्मीदवार व पूर्व नगरसेवक प्रतिभा हेमंत शिंदे से विशेष बातचीत

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2026 के मद्देनज़र मलाड पूर्व के वार्ड क्रमांक 37 में चुनावी माहौल तेज़ हो गया है। इस बीच भारतीय जनता पार्टी की महायुति उम्मीदवार एवं पूर्व नगरसेवक प्रतिभा हेमंत शिंदे को लेकर जनता के बीच सकारात्मक चर्चा और उत्साह देखने को मिल रहा है। उनके अनुभव, कार्यशैली और स्पष्ट दृष्टिकोण को लेकर मतदाता खुलकर अपनी अपेक्षाएँ जता रहे हैं। इसी क्रम में उनसे हुई विशेष बातचीत के प्रमुख अंश प्रस्तुत हैं–

प्रश्न 1 : आप वार्ड 37 की जनता के सामने किस पहचान के साथ चुनाव मैदान में उतरी हैं?

उत्तर : मैं वार्ड 37 की जनता के सामने एक ऐसे प्रतिनिधि के रूप में खड़ी हूँ, जिसने पहले भी सेवा का अवसर पाया है और उस ज़िम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाया है। पूर्व नगरसेवक के रूप में मुझे नागरिक समस्याओं की जमीनी समझ है और भाजपा महायुति उम्मीदवार के रूप में मेरे पास सरकार की योजनाओं को सीधे वार्ड तक पहुँचाने की क्षमता है। अनुभव और संगठन–दोनों मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं।

प्रश्न 2 : आपके पिछले कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि क्या मानती हैं?

उत्तर : मेरे लिए सबसे बड़ी उपलब्धि जनता का विश्वास है। पानी की समस्या, सड़क मरम्मत, ड्रेनेज, सफ़ाई व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों पर लगातार काम किया गया। मैंने हमेशा यह कोशिश की कि योजनाएँ सिर्फ़ काग़ज़ों में न रहें, बल्कि ज़मीन पर दिखाई दें। अधिकारियों के साथ समन्वय और कार्यों की नियमित समीक्षा मेरी कार्यशैली का हिस्सा रही है।

प्रश्न 3 : वर्तमान में वार्ड 37 की सबसे बड़ी समस्याएँ क्या हैं?

उत्तर : वार्ड 37 में अभी भी पानी की नियमित आपूर्ति, आंतरिक सड़कों की हालत, बरसात में जलभराव, सफ़ाई व्यवस्था और स्वास्थ्य सुविधाओं को और मज़बूत करने की ज़रूरत है। इसके साथ ही महिला सुरक्षा, युवाओं के लिए रोज़गार व खेल सुविधाएँ और वरिष्ठ नागरिकों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ

आज की प्रमुख ज़रूरतें हैं।

प्रश्न 4 : इन समस्याओं के समाधान के लिए आपका रोडमैप क्या है?

उत्तर : मेरा रोडमैप स्पष्ट है–स्थायी समाधान और समयबद्ध कार्य। जल प्रबंधन और ड्रेनेज सिस्टम को मज़बूत करना। सड़कों और फुटपाथों का चरणबद्ध सुधार स्वच्छता और कचरा प्रबंधन में तकनीकी सुधार, महिला सुरक्षा के लिए सीसीटीवी और स्ट्रीट लाइट, युवाओं के लिए कौशल विकास केंद्र और खेल सुविधाएँ, वरिष्ठ नागरिकों के लिए नियमित स्वास्थ्य शिविर, इन सभी कार्यों की निरंतर निगरानी मेरी प्राथमिकता होगी।

प्रश्न 5 : महिलाओं और युवाओं के लिए आपकी क्या विशेष योजनाएँ हैं?

उत्तर : महिलाओं के लिए स्वावलंबन सबसे अहम है। स्वयं सहायता समूहों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सुरक्षा उपायों को बढ़ावा दिया जाएगा। वहीं युवाओं के लिए कौशल विकास, खेल मैदान, पुस्तकालय और मार्गदर्शन केंद्र स्थापित करने पर ज़ोर रहेगा ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

प्रश्न 6 : भाजपा महायुति का समर्थन वार्ड 37 के लिए कैसे लाभकारी होगा?

उत्तर : भाजपा महायुति की सरकार विकास को प्राथमिकता देने वाली सरकार है। इस गठबंधन का हिस्सा होने का सीधा लाभ वार्ड 37 को मिलेगा–चाहे वह बुनियादी ढांचा हो, स्वास्थ्य योजनाएँ हों या महिला एवं युवा कल्याण कार्यक्रम। सरकार और नगर निगम के बीच बेहतर तालमेल से विकास की रफ्तार तेज़ होगी।

प्रश्न 7 : आप वार्ड 37 की जनता को क्या संदेश देना चाहेंगी?

उत्तर : मेरा संदेश साफ़ है–यह चुनाव केवल वादों का नहीं, बल्कि अनुभव, विश्वास और जवाबदेही का है। मैंने पहले भी सेवा की है और आगे भी पूरी निष्ठा से वार्ड 37 के विकास के लिए काम करूँगी। जनता का सहयोग और विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है।

समापनः

वार्ड क्रमांक 37 में यह चुनाव धीरे-धीरे व्यक्तित्व से आगे बढ़कर नीति, अनुभव और विकास की कसौटी पर आ खड़ा हुआ है। भाजपा महायुति उम्मीदवार एवं पूर्व नगरसेवक प्रतिभा हेमंत शिंदे अपने अनुभव, स्पष्ट दृष्टिकोण और मज़बूत संगठनात्मक समर्थन के साथ एक भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभरती नज़र आ रही हैं।

निकाय चुनाव के लिए चाचा-भतीजा एकसाथ, अजित पवार के साथ मंच पर दिखीं सुप्रिया; घोषणा पत्र जारी

मुंबई। एनसीपी और एनसीपी (शरद पवार) ने शनिवार को पुणे नगर निगम चुनाव में एक साथ चुनाव लड़ने के फैसले के बाद अपना संयुक्त घोषणापत्र जारी किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अजित पवार और सांसद सुप्रिया सुले ने एक ही

मंच साझा किया। शरद पवार और अजीत पवार की पार्टी पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ में निकाय चुनाव एकसाथ लड़ रही है।

अजित पवार और सुप्रिया सुले की अहम बातें

अजित पवार ने कहा हमारा मकसद पुणे के नागरिकों के लिए विकास और स्थिरता सुनिश्चित करना है।

इस संयुक्त घोषणापत्र के माध्यम से हम शहर की जनता के सामने अपनी स्पष्ट नीति पेश कर रहे हैं।

वहीं सुप्रिया सुले ने भी कहा कि पार्टी सभी वर्गों और समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए चुनावी रणनीति बनाएगी।

एनसीपी के पुणे निगम चुनाव घोषणापत्र में प्रमुख वादे

हर घर को नल से प्रतिदिन साफ पानी की सुविधा। यातायात और सड़कें सुरक्षित, गड्ढों से मुक्त पुणे। नियमित सफाई और स्वच्छता सुनिश्चित करना।

शहर में अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना। प्रदूषण मुक्त और हरित पुणे का निर्माण। झुग्गी-झोपड़ियों का पुनर्वास और पुरानी इमारतों का नवीनीकरण। PMPML बस और मेट्रो में मुफ्त यात्रा। 500 वर्ग फीट तक के घरों पर संपत्ति कर माफी पुणेवासियों के प्रति जिम्मेदार और पारदर्शी प्रशासन।

हर बच्चे के लिए पुणे मॉडल स्कूल और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा।

छात्रों के लिए मुफ्त कंप्यूटर टैबलेट

अजित पवार ने स्थानीय भाजपा नेतृत्व पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि राज्य और केंद्र से पर्याप्त फंड मिलने के बावजूद पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ का विकास रोक दिया गया। पिछले नगर निगम चुनावों में 2017 से 2022 तक दोनों निगमों में भाजपा की सरकार थी। इस बार एनसीपी का गठबंधन उनके विकास एजेंडे के साथ जनता के सामने चुनावी विकल्प पेश कर रहा है।

15 जनवरी को निकाय चुनाव

गौरतलब है कि महाराष्ट्र में 15 जनवरी को 29 नगर निगमों, जिनमें पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ शामिल हैं, के लिए चुनाव होने हैं। राज्य चुनाव आयोग ने 15 जनवरी को इन क्षेत्रों में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है ताकि अधिक से अधिक लोग वोट डालें। आयोग ने 70इ से ज्यादा मतदान सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया है।

128 पार्षदों का चुनाव

पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ जैसे बड़े शहरी क्षेत्रों में भाजपा अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश कर रही है, जबकि एनसीपी पिंपरी-चिंचवाड़ के 32-वार्ड निगम में वापसी की तैयारी कर रही है। इस निगम में लगभग 17.13 लाख मतदाता होंगे, जो 128 पार्षदों का चुनाव करेंगे।

मीरा भायंदर में भाजपा का घोषणापत्र जारी, सड़क-मेट्रो-पानी जैसे लुभावने वादे किए

ठाणे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और विधायक नरेंद्र मेहता ने मीरा भायंदर नगर निगम (एमबीएमसी) चुनाव के लिए भाजपा का घोषणापत्र जारी किया। 15 जनवरी को होने वाले इन चुनावों के लिए पार्टी ने 'मीरा-भायंदर के विकास का संकल्प' लिया है। इसमें शहर को आधुनिक और सुरक्षित बनाने के लिए एक विस्तृत रोडमैप पेश किया गया है।

पार्टी ने किये विकास के वादे

महायुति के दो सहयोगी भाजपा और शिवसेना नगर निकाय पर नियंत्रण पाने की दौड़ में हैं। घोषणापत्र में 'ट्रिपल इंजन' सरकार पर जोर दिया गया है, ताकि

केंद्र और राज्य की सत्ता का लाभ स्थानीय विकास में मिल सके। पार्टी ने शहर को गड्ढों से मुक्त करने के लिए 100 से ज्यादा नई कंक्रीट सड़कें बनाने का वादा किया है। इसके अलावा, मेट्रो रेल, दहिसर-भायंदर लिंक रोड और जेसल पार्क-घोड़बंदर कोस्टल रोड को पूरा करने की बात कही गई है, जिससे मुंबई की यात्रा का समय काफी कम हो सके।

घोषणापत्र पत्र में क्या?

पानी की समस्या सुलझाने के लिए सूर्य परियोजना और 75 एमएलडी की नई योजना के जरिए 24 घंटे जलापूर्ति का भरोसा दिलाया गया है। पार्टी ने कहा कि अगर वह नगर निकाय में सत्ता में आती है, तो वह एक नया 300 बेड का सिविल अस्पताल स्थापित करेगी। इसके साथ ही मौजूदा पंडित भीमसेन जोशी अस्पताल का आधुनिकीकरण करेगी और अधिक आयुष्मान भारत कार्ड केंद्र खोलेगी।

इसके साथ ही पार्टी ने स्थानीय जरूरतों के अनुसार क्लस्टर विकास नीति लागू करना, झुग्गियों का पुनर्विकास करके आधुनिक शौचालय और जलापूर्ति सुनिश्चित करना, पेनकरपाड़ा कचरा प्रोजेक्ट रद्द करना, बायोडायवर्सिटी पार्क बनाना, हवा और ध्वनि प्रदूषण कंट्रोल करना, और महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा के लिए हाई-टेक कैमरा सर्विलांस टावर लगाना शामिल है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)